सुविचार

|| नफरत को हजार मौके दो कि वो प्रेम में परिवर्तित हो जाए, लेकिन प्रेम को एक भी मौका मत दो, कि वो नफरत में बदल जाए। ||

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

एलन-रघुवंशी के तूफान में उड़ी गुजरात, जीत के साथ कोलकाता ने प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा..

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 135 | दिनांक : रविवार, 17 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

ऊर्जा संकट के बीच बीजेपी का राष्ट्रव्यापी अभियान

अभियान में PM मोदी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प को मजबूत करने हेतु विदेशी मुद्रा बचत को दी गई प्राथमिकता

पीएम मोदी की अपील पर शुरू हुआ मेरा भारत-मेरा योगदान अभियान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 मई (एएम नाथ)

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और उससे उपजे वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने 'मेरा भारत-मेरा योगदान' नाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी परिपत्र में कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया है।

पत्र में वर्तमान हालात को देखते हुए विदेशी मुद्रा की बचत और भंडार बढ़ाने को प्राथमिकता बताया गया है। इसी के तहत नागरिकों से कम से कम एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचने और गैर-जरूरी विदेशी यात्राएं टालने की अपील की गई है। साथ ही 'वोकल फॉर लोकल' और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

अभियान के तहत ईंधन और ऊर्जा बचत को लेकर भी कई दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। पार्टी ने कार्यकर्ताओं से कारपूलिंग, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन के अधिक

उपयोग की अपील की है। साथ ही सप्ताह में कम से कम एक दिन सिर्फ सार्वजनिक वाहनों से यात्रा करने का संकल्प लेने को कहा गया है।

देशभर में बीजेपी कार्यालयों को ईंधन और बिजली की खपत में 50 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य दिया गया है। इसके अलावा, पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए ऑनलाइन मीटिंग, वर्चुअल कॉन्फ्रेंस और सप्ताह में 1-2 दिन वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था अपनाने पर जोर दिया गया है। सादगी को बढ़ावा देते हुए वीआईपी संस्कृति में कटौती, वाहनों के काफिले सीमित करने और स्वागत कार्यक्रमों में सीमित लोगों की मौजूदगी के निर्देश दिए गए हैं। यह अभियान सिर्फ ऊर्जा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें खेती और खान-पान से जुड़े सुधारों पर भी जोर दिया गया है। पार्टी ने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कमी लाने की बात कही है।

साथ ही देशवासियों से खाद्य तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत कमी लाने का आग्रह किया गया है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला, मंडल और बूथ स्तर तक योजनाएं बनाई जाएंगी और समय-समय पर इसकी समीक्षा होगी। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया का सहारा लिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित राज्य और जिला इकाइयों को सौंपी गई है।

संक्षिप्त न्यूज

आंध्र प्रदेश सरकार का ऐलान

परिवार में तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार और चौथे पर 40 हजार मिलेंगे

घटती जनसंख्या पर जताई चिंता

नई दिल्ली (ब्यूरो)- आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार प्रदेशवासियों के लिए नई स्कीम लेकर आई है। सरकार अब तीसरे बच्चे पर 30000 और चौथा बच्चा होने पर 40000 रुपये देगी। इससे पहले दूसरा बच्चा होना पर 25000 कैश देने की भी बात की थी। हालांकि अभी इसपर कुछ खुलकर कुछ नहीं कहा गया है।

नरसन्नापेटा में 'स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र' कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में घटती जनसंख्या वृद्धि दर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बच्चों को बोझ नहीं, बल्कि देश की संपत्ति माना जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जनसंख्या बढ़ाने को प्रोत्साहित करने के लिए नई घोषणा करते हुए कहा कि तीसरे बच्चे के जन्म पर परिवार को 30,000 रुपये दिए जाएंगे, चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपये की सहायता दी जाएगी।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला

एविएशन फ्यूल पर VAT 25% से घटाकर 7% किया

नई दिल्ली (ब्यूरो)- दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया है। सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) पर वैट (VAT) को 25 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का निर्णय किया है। इस फैसले से यात्रियों के साथ-साथ एयरलाइन कंपनियों को भी सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे हवाई यात्रा सस्ती होने का रास्ता साफ हो सकता है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में विमान ईंधन पर मूल्य वर्धित कर 25 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया।

यह फैसला पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच लिया गया है।

पहले कोरोना, अब युद्ध और ऊर्जा संकट...

नहीं सुधरे हालात तो दशकों की उपलब्धि मिट जाएगी : पीएम मोदी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 मई (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चेतावनी दी कि मध्य पूर्व में जारी युद्ध और दुनिया में अस्थिरता दशकों के विकास को उलट सकती है और बड़ी आबादी को फिर से गरीबी में धकेल सकती हैं। उन्होंने भरोसेमंद ग्लोबल सप्लाई सिस्टम की आवश्यकता पर जोर दिया। नीदरलैंड्स की अपनी यात्रा के दौरान हेग में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया कोविड-19 महामारी के बाद के प्रभावों, चल रहे युद्धों और ऊर्जा संकट से एक बेहद चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है।

पीएम मोदी की चेतावनी

प्रधानमंत्री ने कहा, पहले कोरोना आया, फिर युद्ध छिड़ गए और अब ऊर्जा संकट है। यह दशक दुनिया के लिए संकटों का दशक बनता जा रहा है। अगर यह स्थिति जल्द नहीं बदली, तो बीते दशकों की उपलब्धियां मिट सकती हैं। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा फिर से गरीबी के जाल में फंस सकता है। प्रधानमंत्री ने सुरक्षित और पारदर्शी सप्लाई चेन के निर्माण में भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते सहयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आज की वैश्विक परिस्थितियों में, दुनिया लचीली सप्लाई चेन की बात कर रही है, और भारत और नीदरलैंड एक विश्वसनीय और पारदर्शी सप्लाई चेन बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

मैं पूरी तरह भूल ही गया था...

प्रधानमंत्री की ये चेतावनी नीदरलैंड में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय के एक कार्यक्रम के दौरान आई। पीएम मोदी ने नीदरलैंड में रहने वाले भारतीय समुदाय की उनकी सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित रखने और डच समाज में योगदान देने के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा, इतना प्यार और उत्साह... सच कहूं तो, कुछ समय के लिए तो मैं पूरी तरह भूल ही गया था कि मैं नीदरलैंड में हूं।

ऐसा लग रहा है जैसे भारत में कहीं कोई त्योहार चल रहा हो। उन्होंने विदेशों में बसे भारतीयों की कहानियों को अनगिनत संघर्षों के बीच प्रगति की कहानियां बताया और भारतीय भाषाओं और परंपराओं को पीढ़ियों से संरक्षित रखने के लिए प्रवासी भारतीयों की प्रशंसा की।

आम लोगों के लिए अदालतों को चौबीसों घंटे काम करने की जरूरत : CJI

» प्रथम न्यूज । भोपाल

16 मई (ब्यूरो)

भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने अदालती कामकाज को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों के लिए अदालतों को अस्पतालों की तरह चौबीसों घंटे काम करना चाहिए। उन्होंने शनिवार को कहा कि अब समय आ गया है कि न्यायपालिका, आम आदमी के दर्द और उम्मीदों पर ध्यान दे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अदालतों को अस्पतालों की तरह ही चौबीसों घंटे काम करना चाहिए।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि न्यायपालिका का समय बर्बाद होने से बचाने का एकमात्र असरदार तरीका टेक्नोलॉजी ही है।

उन्होंने न्याय मिलने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित न्यायिक ढांचे को और मजबूत बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, हमें टेक्नोलॉजी और AI आधारित न्यायिक संरचना को और ज्यादा गहरा करने के बारे में सोचना चाहिए। अदालतों का समय

की बर्बादी रोकने का एकमात्र उपाय टेक्नोलॉजी ही है।

COVID-19 महामारी को याद करते हुए, CJI ने कहा कि कठिन समय के दौरान अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए भारतीय न्यायपालिका की दुनियाभर में तारीफ की गई थी। उन्होंने कहा कि हमने अपनी अदालतें बंद नहीं कीं और बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी की मदद से अदालतें महामारी के दौरान जरूरी मामलों की सुनवाई कर पाईं।

बंगाल में भंग हुआ ममता सरकार का बनाया 'पुलिस कल्याण बोर्ड'

7 दिन में CM शुभेंदु अधिकारी के 7 बड़े फैसले

» प्रथम न्यूज । कोलकाता

16 मई (ब्यूरो)

पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ताबड़तोड़ एक्शन ले रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को उन्होंने पुलिस कल्याण बोर्ड को भंग कर दिया। इससे ममता बनर्जी की सरकार में बनाया गया था। पुलिस प्रशासन के साथ बैठक में सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह बोर्ड असल में एक राजनीतिक दल का ही अंग बन गया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पहले शासक का कानून चलता था लेकिन अब कानून का राज

होगा। शुभेंदु अधिकारी ने 9 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और 7 दिन में वह कई बड़े फैसले ले चुके हैं।

मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कहा कि पुलिस कल्याण बोर्ड मूल रूप से बहुत अच्छे इरादों के साथ बनाया गया था। लेकिन, समय के साथ, यह असल में एक राजनीतिक दल का ही अंग बन गया। नतीजतन, यह सवाल बना रहा कि आम पुलिसकर्मियों को असल में कितना कल्याणकारी लाभ मिला।

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, यह साफ था कि शांतनु सिन्हा बिस्वास और बिजितेश्वर राउत जैसे कुछ अधिकारियों को विशेष सुविधाएं मिली थीं। इसलिए, पुलिस कल्याण बोर्ड को तत्काल प्रभाव से भंग करने का फैसला किया गया। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि अगर किसी आम नागरिक को पुलिस परेशान करती है, तो वह सीधे पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज करा सकता है। कानून सबके लिए बराबर है।

नीट यूजी पेपर लीक मामला

सीबीआई ने जीव विज्ञान पेपर लीक की कथित मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 मई (एजेंसी)

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में जीव विज्ञान विषय के प्रश्न लीक करने की कथित मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। एजेंसी ने पुणे की वनस्पति विज्ञान शिक्षिका मनीषा गुरुनाथ मंडारे को यहां से गिरफ्तार कर लिया। वह राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त की गई थीं। सीबीआई ने बताया कि मनीषा मंडारे को वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान के प्रश्नपत्रों तक पूरी पहुंच थी। जांच में सामने आया है कि अप्रैल महीने में उसने पुणे की मनीषा वाघमारे के माध्यम से संभावित अभ्यर्थियों को जुटाया और अपने पुणे स्थित आवास पर विशेष कोचिंग कक्षाएं संचालित की। मनीषा को पहले ही 14 मई को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसी के अनुसार इन

कक्षाओं के दौरान उन्होंने बनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान से जुड़े कई प्रश्न अभ्यर्थियों को बताए तथा उन्हें अपनी कॉपियों और पाठ्य पुस्तकों में चिह्नित करने को कहा। बाद में इनमें से अधिकांश प्रश्न 03 मई को आयोजित वास्तविक नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए। सीबीआई ने पिछले 24 घंटों के दौरान देशभर में 06 स्थानों पर छापेमारी भी की। कार्रवाई के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप, बैंक विवरण और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है। सीबीआई ने 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होने के बाद विशेष जांच दल गठित किए गए और देशभर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर कई संदिग्धों से पूछताछ की गई। एजेंसी ने बताया कि अब तक दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से कुल नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से पांच आरोपितों को अदालत में पेश कर सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। दो अन्य आरोपितों को पुणे से पारगमन (ट्रांजिट) रिमांड पर दिल्ली लाया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया जा रहा है। सीबीआई के अनुसार अब तक की जांच में रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान प्रश्नपत्र लीक का वास्तविक स्रोत तथा उन बिचौलियों की भूमिका सामने आई है।

पंजाब में एसआईआर के दौरान एक भी योग्य वोट हटाने नहीं देगी आप : मान

जनता की आपत्तियों का निपटारा बिना देरी के करने की अपील

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 मई (एजेंसी)

देश के कई राज्यों में मतदाता सूचियों में अनियमितताओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को घोषणा की कि आम आदमी पार्टी (आप) विशेष गहन संशोधन (एस.आई.आर.) प्रक्रिया के तहत पंजाब में किसी भी योग्य मतदाता का वोट नहीं हटाने देगी। किसी विशेष राजनीतिक पार्टी के लिए फर्जी वोट बनाने की किसी भी कोशिश के खिलाफ चेतावनी देते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आप नेता और कार्यकर्ता प्रदेश भर के प्रत्येक पोलिंग बूथ पर बूथ लेवल अफसरों (बी.एल.ओज़.) के साथ तैनात रहेंगे, ताकि इस प्रक्रिया की कड़ी निगरानी की जा सके और अनियमितताओं को रोका जा सके।

अन्य राज्यों से लाखों योग्य वोटों को हटाने और सत्यापन प्रक्रिया में अनियमितताओं संबंधी आई शिकायतों

का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के लोग राज्य में ऐसी अनियमितताओं की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग (ई.सी.) से एस.आई.आर. प्रक्रिया को पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ पूरा करने और जनता की आपत्तियों का निपटारा बिना देरी के करने की अपील की गई है।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ किया जाना चाहिए, ताकि हर योग्य मतदाता बिना किसी डर या निर्विघ्न ढंग से अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर सके। पूरी प्रक्रिया के दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सक्रिय रूप से शामिल होंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजाब में कहीं भी कोई हेराफेरी न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा, विभिन्न राज्यों में योग्य वोटों को हटाने और फर्जी एंट्री करने बारे पैदा हुए खतरों के कारण नागरिकों के बीच चिंता पैदा हो गई है, जिसके कारण चुनाव आयोग के लिए पूरी जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ काम करना अनिवार्य हो गया है। लाखों योग्य वोटों को हटाने और सत्यापन प्रक्रिया में हेराफेरी बारे विभिन्न राज्यों से शिकायतें सामने आई हैं, लेकिन पंजाब के लोग राज्य में ऐसे कृत्यों की इजाजत नहीं देंगे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, अगर मतदाता सूचियों की सटीकता और चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्थाओं के प्रति लोगों का विश्वास कम होने लगे, तो लोकतंत्र की नींव खतरे में पड़ सकती है।

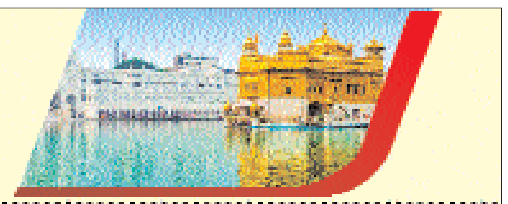

संक्षिप्त न्यूज

अधूरे दस्तावेजों वाले स्कूली वाहनों के काटे चालान

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – ट्रैफिक पुलिस गुरदासपुर ने सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी और सड़क सुरक्षा अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों की बसों की औचक चेकिंग की गई। इस कार्रवाई के दौरान जिन बसों के कागजात अधूरे पाए गए, उनके चालान काटे गए। साथ ही ड्राइवरों और स्टाफ को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया गया।

हाई कोर्ट की हिदायतों का पालन करने के निर्देश : ट्रैफिक इंचार्ज सतनाम सिंह ने बताया कि यह चेकिंग पंजाब हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों को लागू करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने स्कूल प्रबंधकों और ड्राइवरों को सख्त हिदायत दी कि बच्चों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और वाहन पॉलिसी के सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूकता : चेकिंग के दौरान स्टाफ और बच्चों को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों जैसे 112 (आपातकालीन सेवा), 1033 (हाईवे हेल्पलाइन) और 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर ए.एस.आई. अमनदीप सिंह, बाल विकास अधिकारी सुनील जोशी और हरदीप सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

गुरदासपुर पुलिस ने 14,250 एम.एल. अवैध शराब सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – गुरदासपुर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना सदर गुरदासपुर पुलिस ने रिया नामक आरोपी महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6750 एम.एल. अवैध शराब बरामद की है। आरोपी के खिलाफ थाना सदर गुरदासपुर में आबकारी एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना तिब्बड़ पुलिस टीम ने जगजीत सिंह को काबू कर उसके पास से 7500 एम.एल. अवैध शराब बरामद की है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना तिब्बड़ में आबकारी एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

दादाजी के निधन से शिक्षिका सुखदीप कौर सरन सदमे में हैं

ज़ीरा 16 मई (अंग्रेज बराड़) – आदर्श स्कूल टीचिंग नॉन-टीचिंग इंप्लाइज यूनियन पंजाब की राज्य सचिव शिक्षिका सुखदीप कौर सरां को उस समय गहरा सदमा लगा जब

उनके दादा श्री दर्शन सिंह खोसा, पुत्र बचन सिंह, गांव कोट करोड़ा कला के पूर्व सरपंच का हमेशा के लिए निधन हो गया! दुख की इस घड़ी में सुखदीप कौर सरां के साथ आदर्श स्कूल टीचिंग नॉन टीचिंग इंप्लाइज यूनियन पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष जसवीर सिंह ग्लोटी, वाइस प्रिंसिपल रविंदर कौर कंग, अध्यापिका करमजीत कौर बराड़, राजवंत कौर सेखवां, शिवराज कौर थथा, मैडम दीपिका, रूपिंदर कौर जीरा, परमिंदर कौर खोसा, गगनदीप कौर खोसा, कुलविंदर कौर, परमजीत कौर, लालजीत कौर, मनप्रीत कौर, राजनदीप कौर, गुरिंदर सिंह गिल, पवन कुमार, हरि सिमरन शामिल हैं। सिंह, सुखप्रीत सिंह सरां, डॉ. दलजीत सिंह खोसा, अमृतपाल सिंह खोसा, रिंकू हरदासा, गुरचरण सिंह, सुखचैन सिंह आदि ने गहरा दुख जताया और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की! यह उल्लेखनीय है कि दिवंगत दर्शन सिंह खोसा की स्मृति में आयोजित पाठ का भोग और अंतिम अरदास रविवार, 17 मई को कोट कोरे कलां गांव के गुरुद्वारा साहिब में होगा।

लुधियाना में फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आग

लाखों का सामान जलकर राख, इलाके में मची अफरा-तफरी

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
16 मई (ब्यूरो)

पंजाब के लुधियाना में जगराओं के पास कोठे खजूरा मार्ग पर स्थित एक फर्नीचर फैक्ट्री में शनिवार दोपहर बाद भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी भयंकर थी कि उससे उठने वाला धुएं का गुबार करीब दो किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। घटना के समय फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और सभी ने भागकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार, जप इंटरप्राइजेज नामक इस फर्नीचर फैक्ट्री में शनिवार को नियमित कामकाज चल रहा था। इसी दौरान अचानक फैक्ट्री के अंदर से धुआं निकलना शुरू हो गया। देखते ही देखते आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में लकड़ी, तैयार फर्नीचर और अन्य ज्वलनशील सामान रखा हुआ था, जिसके कारण आग तेजी से फैलती चली गई।

मरम्मत के काम के दौरान चिंगारी भड़की

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्ट्री में उस समय कुछ मरम्मत कार्य भी चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या मरम्मत के दौरान निकली चिंगारी से आग लगी। पहले हल्का धुआं दिखाई दिया, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। कर्मचारियों ने शोर मचाकर बाकी लोगों को सतर्क किया, जिसके बाद वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए चार से पांच दमकल गाड़ियों को लगाया गया। दमकल कर्मियों ने कई घंटे तक लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। अधिकारियों के अनुसार, फैक्ट्री के अंदर रखा लकड़ी का सामान आग को और भड़काता रहा, जिससे राहत कार्य में मुश्किलें आईं।

फैक्ट्री का सामान जलकर हुआ राख

आग लगने से फैक्ट्री में रखा तैयार फर्नीचर, लकड़ी और अन्य सामान जलकर राख हो गया। शुरुआती अनुमान के अनुसार, लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग के कारण पूरे इलाके में काला धुआं फैल गया था, जिससे आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल बन गया। कई लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

दमकल विभाग के अधिकारियों ने कहा कि आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जाएगी। साथ ही फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजामों की भी पड़ताल की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव किया जा सके।

पेट्रोल-डीजल पर बढ़े बोझ को पंजाब सरकार खुद उठाए : अनिल सरीन

चंडीगढ़ (एएम नाथ)– पंजाब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महासचिव अनिल सरीन ने पंजाब सरकार से पेट्रोल और डीजल पर बढ़े हुए बोझ को कम करने के लिए राज्य करों में कटौती करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तरह पंजाब सरकार को भी तेल की कीमतों में वृद्धि का भार स्वयं उठाना चाहिए ताकि किसानों और आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव न पड़े। प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी की मौजूदगी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरीन ने कहा कि 27 मार्च 2026 को केंद्र की भाजपा सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर टैक्स कम करके जनता को बड़ी राहत दी थी। उन्होंने कहा कि उसी तर्ज पर मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी राज्य करों में कटौती करनी चाहिए, विशेष रूप से बुवाई के इस महत्वपूर्ण समय में, ताकि किसानों की लागत न बढ़े।

सरीन ने दावा किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद केंद्र सरकार ने अप्रैल 2022 से 14 मई 2026 तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बड़ी वृद्धि नहीं होने दी। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत मार्च 2022 के बाद पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य कर बढ़ाकर लोगों पर लगभग 3 रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त बोझ डाला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक हालातों के कारण कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 120 से 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इसके बावजूद भारत में तेल की कीमतों में केवल लगभग 3 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जबकि अमेरिका में करीब 50 प्रतिशत, यूरोप में 20 प्रतिशत, पाकिस्तान में 60 प्रतिशत और बांग्लादेश में 16 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से अपील की कि पंजाब सरकार भी केंद्र सरकार की तरह करों में कटौती कर जनता को राहत दे और किसानों पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम करे।

सरकारी कॉलेज गुरदासपुर में एंटी ड्रग कार्यक्रम आयोजित

-बीएसएफ और कॉलेज के विद्यार्थियों ने एकजुट होकर जिला गुरदासपुर को नशा मुक्त बनाने का लिया संकल्प

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
16 मई (संदीप सन्नी)

पंजाब सरकार के युद्ध नशे विरुद्ध अभियान के तहत सरकारी कॉलेज गुरदासपुर में सीमा सुरक्षा बल के सहयोग से एक विशाल नशा रोकथाम जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 1500 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दिया संदेश

कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रों द्वारा शब्द गायन के साथ हुआ। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित नाटकों और गीतों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। प्रसिद्ध गायक प्रिंस बावा ने अपने लोक गीतों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही, विद्यार्थियों ने भंगड़ा और गिद्धा पेश कर कार्यक्रम में उत्साह भर दिया।

बीएसएफ में और हथियारों की प्रदर्शनी

मुख्य अतिथि बीएसएफ के डीआईजी जे.के. बिरदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित किया और बीएसएफ में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। इस दौरान बीएसएफ द्वारा अत्याधुनिक हथियारों की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो छात्रों के आकर्षण का केंद्र रही।

नशे के खिलाफ सामूहिक शपथ

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अश्वनी भल्ला ने विद्यार्थियों को नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए आगे आने का संदेश दिया। उन्होंने सभी छात्रों को शपथ दिलाई कि वे न तो स्वयं नशा करेंगे और न ही किसी को करने देंगे। विद्यार्थियों ने एकजुट होकर प्रण लिया कि वे अगले तीन महीनों के भीतर जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रशासन का पूरा सहयोग करेंगे और नशा बेचने वालों के खिलाफ डटकर खड़े होंगे।

इस अवसर पर बीएसएफ के कमांडेंट संजीव कुमार, डीआईजी की धर्मपत्नी और परमिंदर सिंह सैनी सहित कॉलेज का स्टाफ और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पत्रकार पर जानलेवा हमला, कई दिन बाद भी आरोपी फरार

» प्रथम न्यूज । जालंधर
16 मई (डोगरा)

कबीर नगर निवासी पत्रकार रमेश भगत ने आरोप लगाया है कि 14 मई 2026 की देर रात कुछ गुंडा तत्वों ने उनके घर पर जानलेवा हमला किया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और थाना पुलिस ने परचा नंबर 0148 दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित पत्रकार रमेश भगत के अनुसार, मामले में जतिन पुत्र तरसेम लाल, तरसेम लाल, विनोद कुमार, हेमलता, दीक्षा उर्फ दिया निवासी गली नंबर 6, कबीर नगर, जालंधर तथा करणबीर (कैबीं) और मोहित निवासी शहीद बाबू लाभ सिंह नगर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

रमेश भगत ने आरोप लगाया कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इससे उनका परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उन्हें न्याय दिलाया जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह उच्च अधिकारियों से संपर्क कर न्याय की गुहार लगाएंगे। वहीं इलाके के लोगों ने भी मामले की निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग उठाई है।

पत्रकार पर हमला बर्दाश्त नहीं : जगदीश डोगरा

प्रेस एसोसिएशन ऑफ स्टेट पंजाब के प्रधान जगदीश डोगरा ने पत्रकार रमेश भगत पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। यदि पुलिस ने कार्रवाई में ढिलाई बरती तो प्रेस एसोसिएशन सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेगी।

यह हमला पूरे मीडिया तंत्र पर : राजेश थापा

प्रेस एसोसिएशन ऑफ स्टेट जालंधर के प्रधान राजेश थापा ने घटना को पत्रकारिता की आजादी पर हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि यह हमला केवल रमेश भगत पर नहीं बल्कि पूरे मीडिया तंत्र पर किया गया हमला है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की।

थाना नंबर एक के एस एच ओ से बात करने पर उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है बहुत जल्द आरोपी सलाखों के पीछे होंगे

पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चे की बैठक पेंशन वितरण एवं वित्त निदेशक के साथ आयोजित की गई

मौजूदा स्थिति के कारण पेंशन नहीं रोकी जाएगी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
16 मई (कुलदीप सिंह)

पंजाब सरकार पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चे की महत्वपूर्ण बैठक पेंशन वितरण एवं कोषागार निदेशक श्री अरविंद कुमार एमके आईएएस की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में पेंशनभोगी परिसंघ, पीएसपीसीएल पेंशनभोगी संघ, पंजाब सरकार पेंशनभोगी संघ (पंजीकृत) तथा पंजाब पुलिस कल्याण पेंशन संघ सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर करम सिंह धनोआ, कुलवरन सिंह, धनवंत सिंह भट्टल, करनैल सिंह, भजन सिंह गिल, सुरिंदर राम कुसा, सुखमंदर सिंह, सुखविंदर सिंह सैनी, प्रेम चंद पंजोला और नाहर सिंह सहित कई नेता उपस्थित रहे।

संयुक्त मोर्चे के नेताओं ने निदेशक के समक्ष पेंशनभोगियों की लंबित समस्याएं रखते हुए कहा कि पंजाब के कई पेंशनभोगियों, विशेषकर पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े पेंशनरों को अभी तक उनकी पेंशन प्राप्त नहीं हुई है। नेताओं ने बताया कि अनेक पेंशनभोगियों के ऑनलाइन पेंशन प्रमाण पत्र बनने के बावजूद भुगतान लंबित पड़ा हुआ है। इस पर निदेशक ने आश्वासन दिया कि जिन पेंशनभोगियों की डिजिटल प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, उनकी पेंशन जल्द जारी कर दी जाएगी। बैठक में पेंशन सेवा पोर्टल को समाप्त करने अथवा इसे वैकल्पिक बनाने की मांग भी उठाई गई, ताकि प्रत्येक माह पेंशन समय पर खातों में जमा हो सके। निदेशक ने स्पष्ट किया कि डीएलसी का पेंशन पोर्टल से सीधा संबंध नहीं है और यह प्रक्रिया केंद्र सरकार से संबंधित है। उन्होंने कहा कि जिन पेंशनभोगियों की पेंशन लंबित है, उनकी जिलावार सूची निदेशक कार्यालय को भेजी जाए।

संयुक्त मोर्चे ने एलटीसी अपलोड करने की प्रक्रिया को सरल और स्वचालित बनाने की मांग भी रखी। नेताओं ने कहा कि अधिकांश बुजुर्ग पेंशनभोगी ऑनलाइन प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं, इसलिए बैंकों को यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। निदेशक ने बताया कि 18 मई को सरकार के साथ बैठक के बाद पीएसपी में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। विदेशों या अन्य राज्यों में रहने वाले पेंशनभोगियों को ऑनलाइन और मैन्युअल दोनों विकल्प उपलब्ध रहेंगे। बैठक के बाद सुखविंदर सिंह सैनी की अध्यक्षता में संयुक्त मोर्चे की अलग बैठक आयोजित की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि 1 से 5 जून तक सभी जिलों के जिला आयुक्तों को मांग पत्र सौंपे जाएंगे तथा 17 जून को जालंधर के देश भगत यादगार हॉल में राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में आगामी संघर्ष की रणनीति तैयार की जाएगी। मोर्चे ने डीए मामले में अदालत के फैसले को लंबित रखने के लिए पंजाब सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में सत्ताधारी दल के उम्मीदवारों का विरोध करने की घोषणा भी की।

बारहवीं कक्षा के नतीजे में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कॉलेजिएट स्कूल के छात्रों का सम्मान

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर / माहिलपुर
16 मई (तरसेम दीवाना)

श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज, माहिलपुर के कैंपस में चल रहे श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेजिएट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बारहवीं कक्षा के नतीजे में बेहतरीन पोजीशन हासिल करने वाले छात्रों का कॉलेज की प्रबंधकीय समिति, प्रिंसिपल और स्टाफ द्वारा विशेष सम्मान किया गया। इस संबंध में करवाए गए सम्मान समारोह में सिख एजुकेशनल काउंसिल के खजांची वीरेंद्र शर्मा ने विशेष तौर पर शिरकत की और छात्रों को अच्छे नतीजे के लिए मुबारकबाद दी। इस मौके पर अपने संबोधन में कॉलेज के प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह ने कहा कि खालसा कॉलेज माहिलपुर कैंपस में चलते कॉलेजिएट स्कूल के छात्रों ने हमेशा की तरह इस साल भी साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स स्ट्रीम में शानदार नतीजे हासिल किए हैं, जिसके पीछे स्टाफ की मेहनत और छात्रों की लगन झलकती है। उन्होंने बताया कि मेडिकल स्ट्रीम में छात्रा अंजलि बाली ने 91.8 फीसदी अंकों से पहला, जश्नदीप कौर ने 89.8 फीसदी अंकों से दूसरा

और हरतेज सिंह ने 89.4 फीसदी अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह नॉन-मेडिकल के नतीजे में छात्रा महक ने 85.4 फीसदी अंकों से पहला, सिमरन कौर ने 84.8 फीसदी अंकों से दूसरा और रशिका सिंह ने 78.4 फीसदी अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। कॉमर्स स्ट्रीम में छात्रा किरनदीप कौर ने 90.8 फीसदी अंक प्राप्त कर पहला, अर्शदीप कौर ने 89.2 फीसदी अंकों से दूसरा और हरलीन कौर ने 86.6 फीसदी अंकों से तीसरा स्थान प्राप्त किया। आर्ट्स स्ट्रीम में छात्रा कर्मनप्रीत कौर ने 88.6 फीसदी अंकों से पहला, सृष्टि ने 84 फीसदी अंकों से दूसरा और जैस्मिन कौर ने 83.4 फीसदी अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। इस मौके पर प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह और उपस्थित स्टाफ ने इन छात्रों को सम्मानित किया और अच्छे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सम्मान समारोह में प्रो. कमलप्रीत कौर, प्रो. जसदीप कौर, प्रो. अशोक कुमार, प्रो. हरप्रीत कौर, डा. गणेश खन्ना, प्रो. रजिंदर कौर, प्रो. रमनदीप कौर सहित छात्रों के अभिभावक मौजूद थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

संक्षिप्त न्यूज

जिला चंबा में पंचायत चुनावों के लिए 7315 उम्मीदवार चुनावी मैदान में : उपायुक्त

चम्बा (एएम नाथ)– उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला चंबा में पंचायत चुनावों के लिए 7315 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। उन्होंने बताया कि नामांकन वापसी के अंतिम दिन 15 मई 2026 को जिला चंबा में कुल 1128 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस लिए हैं जिनमें प्रधान पद के 292, उप प्रधान पद के 258, वार्ड सदस्य के 530, पंचायत समिति सदस्य के 43 तथा जिला परिषद सदस्य के 5 उम्मीदवार शामिल है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला में 26, 28 व 30 मई 2026 को तीन चरणों में होने जा रहे पंचायती राज चुनावों में प्रधान के 319 पदों के लिए 1293, उप प्रधान के 319 पदों के लिए 1303, वार्ड सदस्य के 1793 पदों के लिए 4013, पंचायत समिति सदस्य के 135 पदों के लिए 592 तथा जिला परिषद सदस्य के 18 पदों के लिए 114 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। उल्लेखनीय है कि जिला चंबा में पंचायती राज चुनावों की नामांकन प्रक्रिया के दौरान तीन दिनों में कुल 8479 उम्मीदवारों ने विभिन्न पदों के लिए अपने नामांकन दाखिल किए थे जिनकी विस्तृत छानबीन के दौरान 26 नामांकन रद्द पाए गए थे।

17 मई को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

बी बी एन, 16 मई (तारा) – हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड बद्दी से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता बद्दी दीपक वर्मा ने दी।

दीपक वर्मा ने कहा कि 17 मई, 2026 को प्रात: 09.00 बजे से सांय 03.00 बजे तक झाड़माजरी बस स्टैंड, शिवालिक नगर सेक्टर-2 व 3, बी.बी.एन.डी.ए. कॉलोनी, होटल आशीष, लाज मोटर, होटल अभिलाषी, ऋषि अपार्टमेन्ट, हिल व्यू, श्याम विहार कॉलोनी, डोगरावाला, ऑलम्पिक चौक, सनसिटी, बद्दी बैरियर, स्वराजमाजरा, सिक्का होटल, लक्कड़ डिपू आदि क्षेत्रों तथा इन क्षेत्रों और फीडरों की औद्योगिक इकाईयों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की।

निर्वाचन एवं मतगणना के लिए पूर्वाभ्यास आयोजित

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान कर्मी महत्वपूर्ण - सुरेन्द्र ठाकुर

बीबीएन, 16 मई (तारा) – नगर परिषद नालागढ़ के लिए रविवार को आयोजित होने वाले निर्वाचन के दृष्टिगत आज खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय नालागढ़ में सभी महिला पोलिंग पार्टियों का अंतिम पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। पूर्वाभ्यास के बाद सभी 12 पोलिंग पार्टियों को उनके निर्धारित मतदान केन्द्रों के लिए रवाना कर दिया गया।

यह पूर्वाभ्यास राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर परिषद नालागढ़ के निर्वाचन के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक सुरेंद्र ठाकुर तथा निर्वाचन अधिकारी एवं उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ नरेंद्र आहलूवालिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

पर्यवेक्षक सुरेंद्र ठाकुर ने इस अवसर पर महिला पोलिंग पार्टियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाना प्रत्येक मतदान कर्मी का पूर्ण उत्तरदायित्व है। उन्होंने रविवार को आयोजित होने वाले नगर परिषद चुनाव के सफल संचालन के लिए सभी पोलिंग पार्टियों को शुभकामनाएं दी। निर्वाचन अधिकारी एवं उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ नरेंद्र आहलूवालिया ने इस अवसर पर कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित मतदान कर्मियों के सहयोग से नगर परिषद चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफलतापूर्वक संपन्न करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रविवार को नगर परिषद नालागढ़ के लिए 09 मतदान केंद्रों में मतदान प्रात: 07.00 बजे से सांय 03.00 बजे तक करवाया जाएगा। उन्होंने मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा निर्धारित समयावधि के भीतर अपने मताधिकार का प्रयोग करने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि मतदान सम्पन्न होने के उपरांत ही मतगणना भी होगी तथा चुनावी नतीज़े घोषित किए जाएंगे। मतगणना नगर परिषद नालागढ़ के हॉल में आयोजित होगी।

किन्नौर कांग्रेस में बगावतः पंचायत चुनाव के बीच अनुशासनहीनता के आरोप में 3 सीनियर नेता 6 साल के लिए निष्कासित

» प्रथम न्यूज । रिकांगपिओ
16 मई (ब्यूरो)

हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला किन्नौर में पंचायत चुनाव के दौरान कांग्रेस संगठन में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। कल्पा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के खिलाफ कार्य करने के आरोप में तीन सदस्यों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है।

ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने कहा है कि संबंधित सदस्यों पर पार्टी विरोधी गतिविधियों और संगठनात्मक अनुशासनहीनता के आरोप पाए हैं। पार्टी की छवि और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दूसरी ओर सापनी पंचायत से प्रधान पद की उम्मीदवार एवं पूर्व पंचायत प्रधान एवं किन्नौर कांग्रेस कमेटी सदस्य रही आशा कुमारी, किन्नौर कांग्रेस कमेटी के सदस्य यशवीर तथा ब्लॉक कांग्रेस कल्पा सचिव धर्म सेन नेगी ने पार्टी की कार्रवाई पर गहरी नाराजगी जताई है।

बिना नोटिस के कार्रवाई

नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि बिना किसी शो कॉज नोटिस और बिना उनका पक्ष सुने पार्टी द्वारा लिया गया निर्णय बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पिछले 40 से 45 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी की तन, मन और धन से सेवा की है। उनका परिवार पीढ़ियों से कांग्रेस की विचारधारा के साथ मजबूती से जुड़ा रहा है।

...चुनाव लड़ने से रोकना अधिकारों का हनन

इस पूरे घटनाक्रम के बीच राजनीतिक हलकों में एक नया विरोधाभास भी चर्चा का विषय बना हुआ है। एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सार्वजनिक मंचों से यह कह चुके हैं कि पंचायत स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ना सभी का लोकतांत्रिक अधिकार है और उन्हें चुनाव लड़ने से रोकना उनके अधिकारों का हनन होगा।

आंख मूंदकर हो रही कार्रवाई : गांव स्तर पर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व कुछ लोगों की बातों पर आंख मूंदकर कार्रवाई की जा रही है, जबकि वर्षों से पार्टी के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं की भावनाओं और सम्मान की अनदेखी हो रही है। नेताओं ने कहा कि यदि पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की जगह अवसरवादी लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी तो इससे न केवल गांव बल्कि पूरे जिले के समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत होंगी।

हिमाचल प्रदेश में व्यावसायिक बिजली महंगी

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में व्यावसायिक उपभोक्ताओं को अब महंगी बिजली मिलेगी। प्रदेश सरकार ने व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त सेस लगाने का निर्णय लिया है।

ऊर्जा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 10 श्रेणियों के उपभोक्ताओं से बिजली खपत पर एक रुपये प्रति यूनिट की दर से अतिरिक्त सेस वसूला जाएगा। यह आदेश लागू कर दिया है। व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए अभी 6.20 से लेकर 6.39 रुपये प्रति यूनिट बिजली की दर है।

अब एक रुपये बढ़ोतरी के साथ 7.39 रुपये प्रति यूनिट तक की दर से मिलेगी। यह सेस उन संस्थानों व प्रतिष्ठानों पर लागू होगा जो व्यावसायिक श्रेणी में बिजली का उपयोग कर रहे हैं। इसमें बिजनेस हाउस, निजी कार्यालय, निजी अस्पताल, पेट्रोल पंप, होटल और मोटल, निजी नर्सिंग होम, निजी शोध संस्थान, निजी कोचिंग संस्थान, शॉपिंग मॉल और मल्टीप्लेक्स शामिल हैं।

ऊर्जा विभाग के सचिव राकेश कंवर की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर सभी संबंधित विभागों और बिजली बोर्ड को निर्देश दे दिए गए हैं। प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक निश्शुल्क बिजली मिलती है। 126 यूनिट से अधिक पर 5.89 रुपये प्रति यूनिट व 85 रुपये निर्धारित शुल्क वसूला जाता है। सरकार का कहना है कि इस अतिरिक्त सेस से प्रदेश के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

इससे विभिन्न सामाजिक योजनाओं तथा आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों के लिए संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी। होटल कारोबार, निजी स्वास्थ्य संस्थानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों से जुड़े लोगों का मानना है कि बिजली दरों में बढ़ोतरी का असर सीधे संचालन लागत पर पड़ेगा, जिसका प्रभाव आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है।

दो लाख से ज्यादा होंगे प्रभावित राज्य – सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के दो लाख से ज्यादा उपभोक्ता प्रभावित होंगे। हालांकि सीधे तौर पर घरेलू बिजली की दरें नहीं बढ़ी हैं, लेकिन कोचिंग संस्थान, व्यावसायिक संस्थान, होटल से लेकर अन्य संस्थानों की बिजली दरों में बढ़ोतरी का परोक्ष रूप से आम परिवारों के बजट पर भी असर दिखेगा।

उपभोक्ताओं से पहले लिए जा रहे दो तरह के सेस – प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं से दो तरह के सेस लिए जा रहे हैं। पहला मिल्क सेस है, जिसके तहत दुग्ध विकास के लिए घरेलू उपभोक्ताओं से प्रति यूनिट 10 पैसे वसूले जाते हैं। दूसरा पर्यावरण सेस है, जो उपभोक्ता श्रेणी के अनुसार अलग-अलग दरों पर लिया जाता है। इसकी दर दो पैसे से लेकर छह रुपये तक है।

शिमला में चुनाव प्रचार से लौट रहे 2 युवकों के साथ दर्दनाक हादसा

गहरी खाई में गिरी गाड़ी, दोनों की मौके पर मौत

शिमला (एएम नाथ) – हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जहां पर एक पिकअप वाहन गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में वाहन सवार दोनों युवकों की मौके पर मौत हो गई।

चुनाव प्रचार से वापस लौट रहे थे दोनों – जानकारी के मुताबिक, हादसा जिले की उपतहसील जांगला की ग्राम पंचायत रनोल में हुआ। मृतकों की पहचान लोकेंद्र सिंह और वीरेंद्र सिंह, निवासी रनोल गांव, चिड़गांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक देर रात एक पिकअप वाहन में सवार होकर चुनाव प्रचार से वापस लौट रहे थे, तभी उनका वाहन गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना पुलिस को शनिवार सुबह मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन तब तक वाहन में सवार दोनों युवकों की मौत हो चुकी थी।

जांच में जुटी पुलिस

वहीं, कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को खाई से बाहर निकालकर मुख्य सड़क तक लाया गया। फिलहाल, पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए है। इस हादसे के बाद पूरे रनोल गांव में मातम का माहौल है। शिमला के पुलिस अधीक्षक (स्क) गौरव सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है और वाहन के खाई में गिरने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हिमाचल में पंचायत और निकाय चुनावों के बीच 22 मई को कैबिनेट बैठक

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 मई (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव बीच मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने 22 मई को मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई है। बैठक सुबह 11 बजे प्रदेश सचिवालय के शिखर सम्मेलन हाल में होगी। आदर्श आचार संहिता लागू होने के चलते सरकार राज्य निर्वाचन आयोग की सहमति से ही अहम निर्णय लेगी। बैठक में आम जनता से जुड़े और प्रशासनिक दृष्टि से जरूरी मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। हालांकि बैठक की विस्तृत कार्यसूची बाद में जारी की जाएगी।

कैबिनेट ब्रांच ने बैठक अधिसूचित की

मंत्रिमंडलीय बैठक के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की कैबिनेट ब्रांच ने मंत्रिमंडल बैठक अधिसूचित की है। पंचायत चुनाव से पहले शहरी निकाय चुनाव के लिए मतदान होगा।

17 मई को मतदान, 31 को बड़े नतीजे

मंत्रिमंडल बैठक से पहले 17 मई को प्रदेश के 51 शहरी निकायों में मतदान होगा। इनमें सोलन, धर्मशाला, पालमपुर और मंडी नगर निगम सहित 25 नगर परिषद और 22 नगर पंचायतें शामिल हैं। नगर परिषद व नगर पंचायतों की मतगणना मतदान के तुरंत बाद होगी, जबकि चारों नगर निगमों के परिणाम 31 मई को घोषित किए जाएंगे।

तीन चरण में पंचायत चुनाव

कैबिनेट बैठक के बाद राज्य में 26, 28 और 30 मई को पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव होंगे। पंचायतों के लिए मतदान और मतगणना एक ही दिन होगी, जबकि बीडीसी और जिला परिषद सदस्यों की मतगणना 31 मई को की जाएगी।

कांग्रेस सरकार ने हिमाचल के व्यापारियों और मध्यम वर्ग पर महंगी बिजली का नया बोझ डाला : संदीपनी भारद्वाज

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 मई (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर बिजली दरों में बढ़ोतरी और अतिरिक्त सेस लगाए जाने के निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने एक बार फिर प्रदेश के व्यापारियों, होटल कारोबारियों, निजी संस्थानों और आम उपभोक्ताओं की कमर तोड़ने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश की जनता से 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार लगातार बिजली की दरें बढ़ाकर जनता को आर्थिक बोझ के नीचे दबाने का कार्य कर रही है। अब व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर प्रति यूनिट अतिरिक्त एक रुपये का सेस लगाकर सरकार ने साफ कर दिया है कि उसकी कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि नई दरों के अनुसार अब 0 से 20 यूनिट तक बिजली की दर 6.39 रुपये से बढ़ाकर 7.39 रुपये प्रति यूनिट कर दी गई है, 20 से 100 यूनिट तक 6.30 रुपये से बढ़ाकर 7.30 रुपये प्रति यूनिट और 100 यूनिट से अधिक खपत पर 6.20 रुपये से बढ़ाकर 7.20 रुपये प्रति यूनिट कर दिया गया है। इससे प्रदेश के दो लाख से अधिक व्यावसायिक उपभोक्ता सीधे प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों, होटलों, शिक्षण संस्थानों, शॉपिंग मॉल, निजी कार्यालयों और छोटे व्यापारियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। बिजली की दरें बढ़ने से बाजार में महंगाई और बढ़ेगी तथा इसका बोझ अंततः आम जनता की जेब पर पड़ेगा।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर आर्थिक कुप्रबंधन का शिकार हो चुकी है। प्रदेश पर रिकॉर्ड कर्ज चढ़ चुका है, विकास कार्य ठप पड़े हैं और अब सरकार अपनी विफलताओं का बोझ जनता पर टैक्स और सेस के माध्यम से डाल रही है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पहले पानी के बिल बढ़ाए, फिर डीजल-पेट्रोल पर बोझ डाला, स्टांप ड्यूटी बढ़ाई, एचआरटीसी किराया बढ़ाया और अब बिजली पर अतिरिक्त टैक्स लगाकर प्रदेश की जनता को परेशान करने का काम किया जा रहा है।

मानसून 2026 से पूर्व आपदा प्रबंधन तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन शिमला सतर्क

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 मई (बी.शर्मा)

जिला शिमला में पिछले कुछ वर्षों के दौरान लगातार बढ़ी भारी वर्षा और मानसून जनित आपदाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी विभागों को पूर्व तैयारी एवं आपदा प्रबंधन उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। जिला में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड, सड़क धंसने, रिटेनिंग वाल गिरने तथा बिजली एवं पेयजल आपूर्ति बाधित होने जैसी घटनाओं के मद्देनजर विभागीय स्तर पर व्यापक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए है।

जारी निर्देशों के अनुसार सभी विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील एवं आपदा संभावित स्थानों की पहचान करने को कहा गया है। इनमें भूस्खलन संभावित सड़कें, जलभराव वाले क्षेत्र, कमजोर सार्वजनिक ढांचे, पेयजल योजनाएं तथा दूरस्थ और संवेदनशील बस्तियां शामिल हैं। विभागों को इन क्षेत्रों का विस्तृत भेद्यता आकलन रिपोर्ट तैयार कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी विभागों को वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में आंतरिक मॉनिटरिंग समितियां गठित करने को कहा गया है, जो विभागीय तैयारियों की नियमित समीक्षा करेंगी तथा आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया एवं पुनर्बहाली कार्य सुनिश्चित करेंगी। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA), पुलिस, SDRF/NDRF और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया है।

जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभागों को जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों को भारी वर्षा के दौरान सतर्क रहने, बहते पानी से दूर रहने, ढीले बिजली तारों से सावधान रहने तथा सुरक्षित यात्रा संबंधी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र और राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

निर्देशों के अनुसार कमांडेंट होम गाड्र्स द्वितीय एवं तृतीय बटालियन को निर्देश दिए गए हैं कि वे उपलब्ध कराए गए उपकरणों (Equipment) की उचित जांच एवं परीक्षण सुनिश्चित करें, ताकि आपदा की स्थिति में उनका प्रभावी एवं सही ढंग से उपयोग किया जा सके।

इसके साथ ही खंड विकास अधिकारियों (BDOs) को भी निर्देशित किया गया है कि पंचायत इमरजेंसी रिस्पॉन्स किट योजना के तहत 219 पंचायतों में उपलब्ध करवाई गई आपदा राहत एवं बचाव किटों की नियमित देखरेख सुनिश्चित करें। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उक्त किटें आवश्यकता पड़ने पर आसानी से उपलब्ध (Accessible) हों तथा उनका समुचित रखरखाव (Maintenance) किया जाता रहे।

निर्देशों में नालियों और जल निकासी तंत्र की सफाई, रिटेनिंग वाल की मरम्मत, आवश्यक मशीनरी और आपदा राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सड़कों, पुलों, स्कूलों और स्वास्थ्य संस्थानों का नियमित निरीक्षण करने के आदेश भी दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त सभी एसडीएम को प्रशिक्षित आपदा मित्र एवं युवा स्वयंसेवकों का अद्यतन डाटाबेस तैयार रखने तथा मानसून से पूर्व बैठकें आयोजित करने को कहा गया है। वहीं विभिन्न विकास खंड अधिकारियों को पंचायत आपदा प्रतिक्रिया किटों की जांच कर उन्हें पूरी तरह कार्यशील बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मानसून सीजन के चरम से पहले सभी विभाग आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं पुनर्बहाली कार्य सुनिश्चित किए जा सकें और जन-धन की हानि को न्यूनतम रखा जा सके।

प्राकृतिक खेती से सशक्त हो रही है ग्रामीण अर्थव्यवस्था

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 मई (बी.शर्मा)

प्रदेश में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी राजीव गांधी प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के अंतर्गत प्राकृतिक खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभर रही है। यह योजना प्रदेश के हजारों किसानों एवं बागवानों के जीवन में आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय परिवर्तन ला रही है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, कृषि लागत में वृद्धि, मिट्टी की घटती उर्वरता तथा जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान जैसी चुनौतियों के बीच प्राकृतिक खेती किसानों के लिए लाभकारी और टिकाऊ विकल्प बनकर सामने आई है। प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने के ऐतिहासिक निर्णय ने किसानों का विश्वास और अधिक मजबूत किया है। हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इससे किसानों को बाजार की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिलने के साथ-साथ प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहन भी मिल रहा है।

कृषि विभाग ने इस वर्ष एक लाख नए किसानों को हिम परिवार रजिस्टर से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक 70 हजार से अधिक किसान हिम परिवार रजिस्टर से जुड़ चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 70 प्रतिशत है। यह पंजीकरण प्रक्रिया किसानों तक सरकारी योजनाओं का पारदर्शी एवं प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

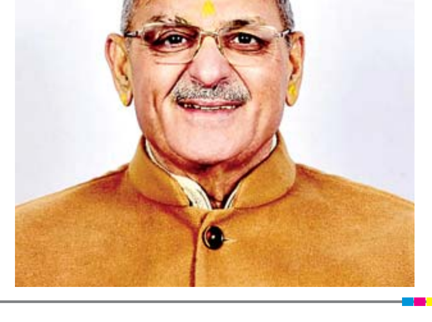

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आने वाले वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य लाभार्थियों की संख्या में और वृद्धि सुनिश्चित की जाए, ताकि आर्थिक समृद्धि गांवों तक पहुंचे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गांव की पूंजी को गांव की आर्थिकी में ही बनाए रखना है।

वर्तमान में प्रदेश में 2,23,029 कृषक एवं बागवान परिवार पूर्ण या आंशिक रूप से प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं। यह अभियान अब प्रदेश की 99.3 प्रतिशत ग्राम पंचायतों तक पहुंच चुका है।

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में राज्य सरकार ने प्राकृतिक खेती से उगाई जाने वाली फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा की है। प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं की खरीद 80 रुपये प्रति किलोग्राम, मक्की 50 रुपये प्रति किलोग्राम, कच्ची हल्दी 150 रुपये प्रति किलोग्राम, पांगी घाटी की जौ 80 रुपये प्रति किलोग्राम तथा अदरक की खरीद 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 7,382 किसानों से 11,329 क्विंटल गेहूं, मक्की, हल्दी एवं जौ की खरीद की जा चुकी है। इसके बदले किसानों के बैंक खातों में 6.40 करोड़ रुपये की राशि प्रत्यक्ष रूप से हस्तांतरित की गई है। कृषि विभाग ने इस वर्ष प्रदेश के लगभग 63 हजार किसानों से प्राकृतिक खेती की उपज खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रदेश में प्राकृतिक गेहूं की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले वर्ष जहां 838 किसानों से गेहूं खरीदा गया था, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़कर लगभग 2,022 तक पहुंच गई है। सरकार का दृष्टिकोण है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य केवल फसलों का मूल्य नहीं, बल्कि किसानों के विश्वास का सम्मान भी है, क्योंकि इससे छोटे एवं सीमांत किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया प्रशिक्षण महाअभियान-2026 का शुभारम्भ

सरस्वती उद्गम स्थल श्री आदिबद्री नारायण मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की तरक्की की करी कामना, किसान हित सरकार की नीतियों के केंद्र में- मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को यमुनानगर में दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने सरस्वती उद्गम स्थल श्री आदिबद्री नारायण मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की तरक्की की कामना की। उन्होंने इस मौके पर हरियाणा के विकास कार्यों की प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बहनों-बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 2100 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 9 लाख 76 हजार बहन-बेटियों को 1 हजार 415 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के लगभग 14 लाख 38 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 243 करोड़ रुपये की राशि डाली जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान हित हमारी नीतियों के केंद्र में है। आज किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। प्रदेश में फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 16 हजार 160 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 20 लाख 18 हजार किसानों को 22 किस्तों में 7 हजार 562 करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में डाली जा चुकी है। पराली प्रबंधन के लिए किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर फसल अवशेष प्रबंधन मशीनें दी जाती हैं। वर्ष 2018-19 से अब तक 1 लाख 10 हजार 767 मशीनें किसानों को सब्सिडी पर दी जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को बाजार भावों की अनिश्चितता की समस्या से निजात दिलाने के लिए भावांतर भरपाई योजना शुरू की है। सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया है। पूरे प्रदेश में जमीनों व सम्पत्तियों का पेपरलेस रजिस्ट्रेशन शुरू किया है। अब रजिस्ट्री का काम पूरी तरह डिजिटल हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया गया है। पिछड़ा वर्ग-बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया गया है।

उन्होंने कहा कि गांवों में पंचायती भूमि पर बने 500 वर्ग गज तक के मकानों पर काबिज लोगों को उनका मालिकाना हक दिया है। हैप्पी हरियाणा योजना के तहत प्रदेश में गरीब परिवारों के 18 लाख 20 हजार हैप्पी कार्ड बनाये गये हैं। ये परिवार राज्य परिवहन की बसों में प्रतिवर्ष 1 हजार किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। अब धन के अभाव में कोई भी गरीब इलाज से वंचित नहीं रहेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 54 हजार 958 घरों पर मुफ्त में सोलर रूफटॉप लगाए जा चुके हैं। म्हारा गांव-जगमग गांव योजना के तहत 6 हजार 19 गांवों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। प्रदेश में लाइन लॉसिस 30 प्रतिशत से घटकर 9.97 प्रतिशत रह गया है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल से जल योजना में 30 लाख 41 हजार घरों में नल से पेयजल पहुंचाया है। पिछले एक साल में 36 हजार युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इन्हें मिलाकर पिछले 11 सालों में 1 लाख 80 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से नियुक्त 1 लाख 18 हजार युवाओं को रोजगार की सुरक्षा दी गई है। विदेश में रोजगार तलाश रहे युवाओं की मदद के लिए हरियाणा ओवरसीज इम्पलॉयमेंट सैल बनाया है जिस का लाभ युवाओं को मिल रहा है।

इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के भाजपा जिला अध्यक्ष तेजीन्द्र सिंह गोल्डी, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुभाष सुधा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, नगर निगम मेयर सुमन बहमनी, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमिच, जिला परिषद चेयरमैन रमेश ठसका समेत अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त न्यूज

हरियाणा सरकार की बड़ी कार्रवाई

पार्श्वनाथ डेवलपर्स पर नए लाइसेंस पर रोक

चंडीगढ़ (ब्यूरो)- हरियाणा सरकार ने रियल एस्टेट कंपनी पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य में कंपनी को किसी भी नई आवासीय या व्यावसायिक परियोजना के लिए लाइसेंस जारी करने पर रोक लगा दी है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने यह फैसला कंपनी पर लगे धोखाधड़ी, नियमों के उल्लंघन और भारी बकाया राशि के आरोपों को देखते हुए लिया है। विभाग के अनुसार कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ नई दिल्ली में कई गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और साजिश जैसी धाराएं शामिल हैं। इनमें वर्ष 2020 की एक एफआईआर और 2024 में दर्ज छह अन्य मामले भी शामिल हैं।

विभाग ने बताया कि पार्श्वनाथ डेवलपर्स के खिलाफ आम लोगों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कंपनी ने प्लॉट और फ्लैट बेचते समय किए गए वादों को पूरा नहीं किया और कई परियोजनाओं में खरीदारों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी ने भी कंपनी के खिलाफ कई आदेश जारी किए हैं, जिससे कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 19 सितंबर 2024 तक कंपनी पर ईडीसी और एसआईडीसी के रूप में कुल 333.31 करोड़ रुपये बकाया हैं। इसी आधार पर हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरियाज एक्ट, 1975 की धारा 12 के तहत कार्रवाई करते हुए कंपनी और उसके सात निदेशकों को भविष्य में किसी भी नए विकास लाइसेंस के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

पार्श्वनाथ डेवलपर्स को वर्ष 2006 से 2010 के बीच सोनीपत, पानीपत और रोहतक में कई आवासीय परियोजनाओं के लिए लाइसेंस जारी किए गए थे। इनमें सोनीपत के सेक्टर 8, 9, 10, 11, 17 और 18, पानीपत के सेक्टर 38-39 और रोहतक के सेक्टर 33 व 33-ए की परियोजनाएं शामिल हैं। विभाग के अनुसार इन सभी लाइसेंसों की वैधता समाप्त हो चुकी है और कंपनी की ओर से नवीनीकरण के लिए कोई आवेदन भी नहीं किया गया।

शनि देव कर्मों के अनुसार देते हैं फल : महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) - गुरु गोरखनाथ धाम के महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचन देते हुए धर्म, योग एवं मानव सेवा का संदेश दिया। महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने शनिश्चरी अमावस्या का दिन आत्मचिंतन, दान-पुण्य एवं प्रभु भक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने कहा कि शनि देव न्याय के देवता हैं, जो मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। शनि अमावस्या के दिन श्रद्धा एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं तथा सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि इस दिन दान-पुण्य, पीपल वृक्ष की पूजा, तिल के तेल का दीपक जलाना तथा जरूरतमंदों की सहायता करना विशेष फलदायी माना जाता है। तथा व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को सत्य, संयम एवं सदाचार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए समाज में भाईचारा, प्रेम एवं धार्मिक भावना बनाए रखने का संदेश दिया।

नगर पालिका के वार्डों में लगा सांसद का निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 70 लोगों को मिला लाभ

पिहोवा, 16 मई(मुकेश डोलिया) सांसद नवीन जिंदल के जनसेवा संकल्प को साकार करते हुए नवीन जिंदल फाउंडेशन की मेडिकल वैन वार्ड नंबर 7 और 9 में पहुंची। जहां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया गया। सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह और हल्का प्रभारी जीत राम ने बताया कि डॉ. पूर्ण मल के नेतृत्व में टीम ने 70 लोगों की जांच की। इनमें 55 मरीजों की ओपीडी कर उन्हें मौके पर ही निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं, जबकि 15 लोगों के लैब टेस्ट भी किए गए। इस अवसर पर डॉ. राजकुमार ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ब्यूटी पार्लर और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इंटरनेशनल स्किल सेंटर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाते हुए सांसद नवीन जिंदल ने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र को वर्ष 2035 तक शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सांसद नवीन जिंदल के मार्गदर्शन में क्षेत्र में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं लगातार आमजन तक पहुंच रही हैं, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

प्रेस नोट पेट्रोल-डीजल और दूध के बाद मोबाइल रिचार्ज भी हो सकते हैं महंगे, आम जनता पर बढ़ेगा बोझ : पुनीत महाजन

चंडीगढ़ (ब्यूरो)- देश में लगातार बढ़ती महंगाई के बीच अब आम जनता को मोबाइल रिचार्ज प्लान्स के महंगे होने का भी झटका लग सकता है। चर्चा है कि आने वाले समय में मोबाइल कंपनियां अपने रिचार्ज प्लान्स में करीब 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। माना जा रहा है कि अगले महीने इस संबंध में कोई बड़ा अपडेट सामने आ सकता है।

इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय एकता मंच रजिस्टर्ड के जनरल सेक्रेटरी कम फाउंडर पुनीत महाजन ने कहा कि पहले ही पेट्रोल, डीजल, CNG और दूध जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे आम लोगों का घरेलू बजट प्रभावित हो चुका है। अब यदि मोबाइल रिचार्ज प्लान भी महंगे होते हैं तो इसका सीधा असर छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और गरीब वर्ग पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि मोबाइल आज हर व्यक्ति की जरूरत बन चुका है। पढ़ाई, ऑनलाइन काम, बैंकिंग और दैनिक संपर्क के लिए मोबाइल सेवाएं बेहद जरूरी हैं। ऐसे में रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में बढ़ोतरी आम नागरिकों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ साबित होगी। पुनीत महाजन ने कहा कि मोबाइल टावरों को चलाने के लिए डीजल की आवश्यकता होती है और ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण कंपनियों के संचालन खर्च में भी वृद्धि हुई है। इसी वजह से कंपनियां रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने पर विचार कर सकती हैं उन्होंने केंद्र सरकार और टेलीकॉम कंपनियों से अपील की कि आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए मोबाइल सेवाओं को किफायती बनाए रखा जाए, ताकि डिजिटल इंडिया अभियान को और मजबूती मिल सके।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व हाइपरटेंशन डे पखवाड़ा 16 मई से 31 मई तक किया जाएगा आयोजित : डॉ संजीव गोयल

» प्रथम न्यूज । पिहोवा

16 मई (मुकेश डोलिया)

प्रवर चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव गोयल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा हाइपरटेंशन डे पखवाड़ा 16 मई से 31 मई तक मनाया जाएगा। इस दौरान सभी अधिकारी, कर्मचारी,आशा वर्कर और आमजन का रक्तचाप जांचा जाएगा।

प्रवर चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव गोयल ने जानकारी दी कि उच्च रक्तचाप एक गंभीर व तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है जिससे 20 से 25 प्रतिशत वयस्क प्रभावित हैं । शहरी क्षेत्रों में यह 25 से 33 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 10 से 25 प्रतिशत ,पुरुषों में यह समस्या महिलाओं से कुछ अधिक है ।केवल 35 प्रतिशत लोग ही इस बीमारी की जांच और उपचार ले रहे है। उन्होंने कहा कि उच्च रक्तचाप के मुख्य कारण खराब जीवन शैली,नमक का अधिक सेवन,जंक फूड ,मोटापा,व्यायाम ना करना ,तनाव और नशा करना। उच्च रक्तचाप दिल,गुर्दे,दिमाग पर असर डालता है ।नियमित व्यायाम, भरपूर नींद,तनाव रहित जीवन, नमक का कम प्रयोग, नियमित जांच व नियमित दवा का सेवन से इसके दुष्प्र प्रभाव से बचा जा सकता है। उन्होंने सभी वयस्क लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों पर जा कर रक्तचाप की जांच करवाए और उच्च रक्तचाप मिलने पर नियमित दवाई का सेवन करे। पिहोवा ब्लाक के 27 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर यह सुविधा मुफ्त उपलब्ध है। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गांव रामगढ़ रोड व ओशो इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल और गांव स्योंसर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय डेंगू दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल के बच्चों को डेंगू की बीमारी के लक्षण व बचाव के बारे में विस्तारित से जानकारी दी इस अवसर डॉ रितू प्रिया,संजय कुमार। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों व सुपरवाइजर को निर्देश देते हुए कहा कि कम होते लिंगानुपात में सुधार लाने की जरूरत है। इसके लिए उन्होंने क्षेत्र में गर्भपात के सभी आंकड़े चेक किए जाने और जो 45 वर्ष की आयु सीमा तक गर्भ धारण कर सकने वाले दंपति की पहचान,गर्भवती रजिस्ट्रेशन और कुल जन्म के अंतराल का रिकॉर्ड, उप स्वास्थ्य केंद्र पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सभी गांव में पीएनडीटी एक्ट्स के बारे में जागरूक करे।

रामदरबार स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित, पूर्व मेयर कमलेश बनारसी दास ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 मई (पुनीत महाजन)

रामदरबार कॉलोनी फेज-2 स्थित सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के सम्मान हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मेयर चंडीगढ़ कमलेश बनारसी दास ने कक्षा 1 से 11 तक के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मोमेंटो और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री कमलेश बनारसी दास ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें अच्छे मार्ग पर चलने, मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने तथा कमजोर साथियों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है और मेहनत से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान कमलेश बनारसी दास ने विद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कम शिक्षकों, लेक्चररों और बिना नियमित प्रिंसिपल के भी विद्यालय ने सराहनीय परिणाम हासिल किए हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष विद्यालय का 12वीं कक्षा का परिणाम 12 प्रतिशत बढ़ा है तथा विद्यालय का कुल ओवरऑल परिणाम 86 प्रतिशत रहा, जो पूरे स्टाफ की मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने प्रिंसिपल, शिक्षकों और विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम में कुलदीप सिंह, वाइस प्रिंसिपल, सुखबीर कौर तथा बनारसी दास प्रधान, बैरवा समाज पंजाब चंडीगढ़ ने भी उपस्थित होकर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ, जिसमें उन्हें निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

मनीमाजरा में स्नैचिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 2200 और आधार कार्ड बरामद...

चंडीगढ़, 16 मई 2026 (पुनीत महाजन) - चंडीगढ़ पुलिस के थाना मनीमाजरा की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2200 नकद और एक आधार कार्ड बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, यह मामला एफआईआर नंबर 56 दिनांक 16.05.2026, धारा 304(2) एवं 317(2) बीएनएस के तहत थाना मनीमाजरा में दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता अखलेश कुमार पुत्र श्याम शाह निवासी मकान नंबर 91, ओल्ड इंदिरा कॉलोनी, मनीमाजरा ने बताया कि वह सुबह करीब 7:30 बजे लेबर चौक, मनीमाजरा में चाय की दुकान पर चाय पी रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति उसकी पैंट की पिछली जेब से ?2200 और आधार कार्ड छीनकर भागने लगा। शिकायतकर्ता ने तुरंत शोर मचाया और आरोपी का पीछा किया। मौके के पास मौजूद थाना मनीमाजरा की पुलिस टीम तुरंत हरकत में आई और कुछ ही मिनटों में आरोपी को चोरी किए गए सामान सहित पकड़ लिया। आरोपी की पहचान अनिल उर्फ लिंडी पुत्र अजमेर कुमार निवासी झुग्गी नंबर 219, न्यू इंदिरा कॉलोनी, मनीमाजरा के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

भारतीय एकता मंच ने निभाया मानवता का फर्ज, जरूरतमंद मरीज के लिए किया रक्तदान

चंडीगढ़, 16 मई 2026 (पुनीत महाजन) -भारतीय एकता मंच (पंजीकृत) ने एक बार फिर मानवता और समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए जरूरतमंद मरीज के लिए रक्तदान किया। संस्था के जनरल सेक्रेटरी कम फाउंडर पुनीत महाजन ने बताया कि चंडीगढ़ प्रशासन पब्लिक हेल्थ विभाग के जूनियर इंजीनियर हरनीत सिंह द्वारा सूचना दी गई कि सेक्टर-32 स्थित जीएमसीएच अस्पताल में भर्ती रमजान खान (निवासी पटियाला) को रक्त की तत्काल आवश्यकता है।

सूचना मिलते ही संस्था के सक्रिय सदस्य एवं रिटायर्ड एसडीओ पब्लिक हेल्थ गुरुदर्शन सिंह ने तुरंत अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। संस्था ने कहा कि भारतीय एकता मंच हमेशा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहता है और भविष्य में भी समाज सेवा के कार्य जारी रखेगा।

संस्था गरीब बच्चों को किताबें उपलब्ध करवाने, जरूरतमंदों को कपड़े एवं जूते देने, गरीब कन्याओं की शादी में सहयोग तथा अस्पतालों में मरीजों की सहायता जैसे कई सामाजिक कार्य कर रही है। पुनीत महाजन द्वारा सेक्टर-17 स्थित सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में लोगों के लिए वाटर कूलर लगाने की पहल भी की जा रही है। संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र जेतक और प्रधान सुनीता ठाकुर ने पुनीत महाजन के सामाजिक कार्यों की सराहना की।

महिला आरक्षण पर जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता, सरकार पर साधा निशाना

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

16 मई (बृज मोहन)

महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष मेवा सिंह, थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा, पिहोवा विधायक मंदीप सिंह चट्ठा तथा शाहाबाद विधायक रामकरण काला ने कहा कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल की आड़ में देशभर में अपने अनुसार परिसीमन करना चाहती थी, जिसका कांग्रेस पार्टी ने मजबूती से विरोध किया।

नेताओं ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिला आरक्षण की समर्थक रही है, लेकिन इसके नाम पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिला अध्यक्ष मेवा सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की नीयत साफ नहीं है। महिला आरक्षण बिल को लागू करने से पहले परिसीमन की शर्त जोड़ना एक राजनीतिक चाल है। इससे भाजपा अपने हित में सीटों का पुनर्गठन करना चाहती है, जो लोकतंत्र के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं का सम्मान करती है और देश में महिलाओं ने हमेशा महत्वपूर्ण पदों पर अपनी भूमिका निभाई है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, जस्टिस फातिमा बीवी और उत्तर प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी का उदाहरण दिया। थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को अधिकार देना चाहती है तो बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण तुरंत लागू करे। परिसीमन को इससे जोड़ना स्पष्ट रूप से राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता को गुमराह कर रही है और महिला आरक्षण बिल के संबंध में पूरी सच्चाई सामने नहीं रख रही। पिहोवा विधायक मंदीप सिंह चट्ठा और शाहाबाद विधायक रामकरण काला ने कहा कि यह बिल महिलाओं के सम्मान और अधिकारों से जुड़ा हुआ है, लेकिन भाजपा इसे भी राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस इस मुद्दे पर पूरी मजबूती से जनता के बीच जाएगी।

शिक्षण संस्थानों में राजनीतिक कार्यक्रमों पर लगे रोक

प्रेस वार्ता के दौरान विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक अखाड़ा बनाए जाने पर भी कड़ा विरोध जताया गया। विधायकों ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में राजनीतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों पर पूर्ण रूप से रोक लगनी चाहिए। उन्होंने राज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप कर उचित दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की, ताकि शिक्षा का वातावरण निष्पक्ष और अनुशासित बना रहे।

इस अवसर पर कांग्रेस नेत्री निशि गुप्ता, सुनीता नेहरा, कमलेश रानी, पवन चौधरी, विवेक भारद्वाज डब्बू , संजीव सैनी, पृथ्वी चंद के इलावा कई कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

आज का संपादकीय

ईमानदारी की जड़ सदैव हरी

धरती पर दो ही चीजें कभी नहीं सूखतीं नदी का जल और ईमानदार का मन। नदी सूख जाए तो बरसात फिर भर देती है। पर ईमानदार का मन एक बार सूख जाए, तो सारी दुनिया का जल भी उसे हरा नहीं कर पाता।ईमानदारी की जड़ हरी क्यों रहती है क्योंकि उसकी जड़ मिट्टी में नहीं, विवेक में होती है। बेईमान का पेड़ भले आज फलों से लदा दिखे, पर उसकी जड़ झूठ, फरेब और लालच में होती है। वह जड़ खोखली होती है। एक झोंका आता है और सारा वृक्ष चरमराकर गिर पड़ता है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

ईमानदार का पेड़ धीरे बढ़ता है। न उसकी छाया घनी होती है, न फल मीठे लगते हैं बाजार को। पर जब आँधी आती है, तो वही पेड़ खड़ा रहता है। क्योंकि उसकी जड़ें सत्य की गहराई तक गई होती हैं। सत्य सड़ता नहीं, सूखता नहीं, बिकता नहीं। इसलिए कहा गया – ईमानदारी की जड़ सदैव हरी रहती है।

ईमानदारों से बेईमानी मत कीजिये

यह केवल नैतिक आग्रह नहीं, यह एक व्यावहारिक चेतावनी है। ईमानदार व्यक्ति के पास दो ही पूँजी होती है उसका शब्द और उसकी निष्ठा। आप उसका धन छीन सकते हैं, उसका पद छीन सकते हैं, पर यदि आपने उसकी ईमानदारी पर चोट की, तो आपने उसके अस्तित्व पर चोट की। बेईमान को धोखा दो तो वह हिसाब–किताब लेकर लौटेगा। पर ईमानदार को धोखा दो तो वह हिसाब नहीं रखता। वह चुप हो जाता है। और जिस दिन ईमानदार चुप हो गया, समझ लीजिए उस समाज का आईना टूट गया। अब जो भी दिखेगा, वह धुंधला और झूठा दिखेगा।आज का समय आज ईमानदारी को 'बेवकूफी' कहा जाता है। ईमानदार को 'सीधा' कहकर किनारे कर दिया जाता है। मीटिंग में वही जीतेगा जो फाइल घुमा सके, सच बोलने वाला तो मिनट दो मिनट में 'नेगेटिव' घोषित हो जाता है। पर देखिए जिन संस्थाओं ने, जिन लोगों ने ईमानदारों को धोखा दिया, वे आज इतिहास के कूड़ेदान में हैं। उनका नाम रह गया तो केवल चेतावनी के लिए। क्योंकि ईमानदारी का हिसाब देर से होता है, पर होता जरूर है। वह हिसाब कोर्ट में नहीं, समय के कोर्ट में होता है। और समय का फैसला अपील के योग्य नहीं होता

ईमानदार से बेईमानी मत कीजिये, क्योंकि आप केवल एक व्यक्ति को नहीं हरा रहे। आप उस विश्वास को मार रहे हैं जिस पर समाज टिका है। पेड़ गिर जाए तो दूसरा लगा सकते हैं। पर यदि विश्वास की जड़ सूख गई, तो हरे पत्ते कितने भी लगा लो, वे मुरझा जाएंगे। ईमानदार के साथ खड़े रहिए। वह आपको धन नहीं देगा, पर वह आपको नींद देगा। वह आपको पद नहीं देगा, पर वह आपको आत्म–सम्मान देगा।और अंत में याद रखिए बेईमानी से बना महल एक झटके में गिरता है।

पर ईमानदारी से बनी झोपड़ी भी सदियों तक खड़ी रहती है, क्योंकि उसकी जड़ हरी होती है।

कमजोर पड़ती क्षेत्रीयता की राजनीति

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के बाद असम और बंगाल में प्रचंड बहुमत वाली सरकारों ने कमान संभाल ली है तो पुडुचेरी में चुनाव पूर्व गठबंधन वाली राजग सरकार ने कामकाज शुरू कर दिया है। त्रिशंकु विधानसभा वाले तमिलनाडु में भी विजय सरकार का आगाज हो चुका है। गत दिवस केरलम के मुख्यमंत्री का चयन भी हो गया। चुनाव परिणाम की बात करें तो असम, केरलम और पुडुचेरी में नतीजे आशा के अनुरूप ही रहे। असम में भाजपा के सामने कांग्रेस इस कदर साफ हुई, जैसे ब्रह्मपुत्र के सैलाब में नदी के बीच बालू से बने द्वीप बह जाते हैं।

राज्य में कांग्रेस केवल निचले असम की मुस्लिम बहुल सीटों तक ही सिमट कर रह गई है। जबकि उत्तर असम के असमिया बहुल जिलों में उसका सूपड़ा पूरी तरह साफ हो गया, जहां कभी पार्टी का अच्छा प्रभाव होता था। यह परिणाम पूरी तरह अपेक्षित भी था। राज्य में न केवल भाजपा सरकार द्वारा किया गया विकास साफ–साफ दिखाई देता है, बल्कि पार्टी असमिया अस्मिता और जनसांख्यिकीय परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति संवेदनशील भी दिखाई देती है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की निजी लोकप्रियता भी पार्टी के लिए कारगर साबित रही।

विपक्ष में बैठी कांग्रेस की स्थिति पर चुनाव से पहले ही एक असमिया बुद्धिजीवी ने टिप्पणी की थी कि भंग नौकात निदिबा भोरी यानी टूटी नौका में आखिर कौन बैठता है? केरलम के नतीजों में भी आश्चर्य सिर्फ इतना है कि यह परिवर्तन दस वर्ष बाद हुआ है, अन्यथा यहां हर पांच साल बाद मार्क्सवादी नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे यानी यूडीएफ के बीच ही बारी–बारी से सत्ता बदलती रही है। यहां के नतीजों में महत्वपूर्ण बात यह रही कि यूडीएफ ने कोझीकोड़, तिरुअनंतपुरम और कोल्लम जैसे वामपंथ के गढ़ भी ढहा दिए। मुस्लिम लीग के साथ हुए गठजोड़ ने कांग्रेस को विशेषकर उत्तरी केरलम में मदद पहुंचाई। इस गठबंधन से कांग्रेस को करीब छह प्रतिशत मतों का लाभ मिला। हालांकि यह परिणाम भी अनपेक्षित नहीं थे, क्योंकि 2024 लोकसभा चुनाव में यूडीएफ को राज्य में 20 में से 18 सीटें मिली थीं। इसी तरह पुडुचेरी ने भी उसी परिपाटी का पालन किया है, जिसमें केंद्र पर निर्भरता होने के कारण केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव का झुकाव स्वाभाविक रूप से उस दल या गठबंधन की तरफ होता है, जिसकी केंद्र में सत्ता होती है।

जो दो नतीजे सर्वाधिक चौंकाने वाले रहे, वे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से आए। तमिलनाडु के नतीजे इस मायने में ऐतिहासिक हैं कि 50 वर्ष बाद द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूम रही सत्ता पर विराम लगा। सत्ताधारी द्रमुक को इन चुनावों में गहरा झटका लगा। बड़ा सवाल यही है कि इसे कितना व्यापक परिवर्तन माना जाए, क्योंकि इन चुनावों के माध्यम से तमिलनाडु की राजनीति में फिर से विजय के रूप में एक सिने स्टार का उदय हुआ।

हिन्दुस्तान में बढ़ती महंगाई और गरीब की थाली का गहराता संकट

आर्थिक प्रगति बनाम रसोई की हकीकत

वैश्विक मंच पर भारत आज एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। डिजिटल क्रांति, बुनियादी ढांचे (Infrastructure) का अभूतपूर्व विकास और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की मजबूत विकास दर इस बात का प्रमाण हैं। लेकिन इस चमकते सिक्के का एक दूसरा और चिंताजनक पहलू भी है, जिसकी गूंज देश के करोड़ों ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों की रसोई में सुनाई दे रही है। वह पहलू है– महंगाई

अर्थशास्त्र में महंगाई को एक सामान्य प्रक्रिया माना जाता है, लेकिन जब यह आवश्यक खाद्य पदार्थों की सीमाओं को लांघने लगती है, तो यह सीधे तौर पर गरीब की थाली पर डाका डालती है। किसी भी विकासशील देश की वास्तविक प्रगति इस बात से तय नहीं होती कि उसके उद्योगपति कितने अमीर हो रहे हैं, बल्कि इससे तय होती है कि उसके सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को दो वक्त का संतुलित भोजन मिल पा रहा है या नहीं। वर्तमान में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में आ रहे उतार–चढ़ाव और थोक बाजार की तपिश ने इस बुनियादी जरूरत को एक बड़े मानवीय और सामाजिक संकट में बदल दिया है। महंगाई के विस्तृत और ताजा आंकड़े- एक गहरा विश्लेषण

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी अप्रैल 2026के आर्थिक आंकड़े देश की वर्तमान वित्तीय स्थिति का एक जटिल और अंतर्विरोधी चित्र पेश करते हैं। इन आंकड़ों को तीन मुख्य भागों में समझा जा सकता है

1. खुदरा महंगाई

अप्रैल 2026 में देश की मुख्य खुदरा महंगाई दर 3.48% दर्ज की गई। सतह पर देखने पर यह आंकड़ा काफी सुखद लगता है, क्योंकि यह भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के 4% के आदर्श लक्ष्य के नीचे है। लेकिन जब हम इसका गहरा विश्लेषण करते हैं, तो ग्रामीण और शहरी विभाजन साफ नजर आता है:

ग्रामीण खुदरा महंगाई : 3.74%
शहरी खुदरा महंगाई : 3.16%

यह विभाजन दिखाता है कि महंगाई की मार शहरों के मुकाबले गांवों में ज्यादा है, जहां देश की अधिकांश गरीब और खेतिहर आबादी बसती है। गांवों में क्रय शक्ति (Purchasing Power) पहले से ही कम होती है, ऐसे में वहां अधिक महंगाई होना ग्रामीण संकट को दर्शाता है।

2. खाद्य महंगाई

मुख्य खुदरा महंगाई (3.48%) के मुकाबले भोजन की महंगाई दर यानी कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स (CFPI) 4.20% पर है। इसका सीधा मतलब यह है कि गैर–खाद्य वस्तुओं (जैसे कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि) की तुलना में खाने–पीने की चीजें अधिक तेजी से महंगी हो रही हैं। एक अमीर व्यक्ति अपनी आय का बहुत छोटा हिस्सा भोजन पर खर्च करता है, इसलिए खाद्य महंगाई उसे प्रभावित नहीं करती। लेकिन एक गरीब अपनी आय का 50 से 60 प्रतिशत हिस्सा केवल भोजन पर खर्च करता है, जिसके कारण 4.20% की यह दर उसके लिए बेहद भारी साबित हो रही है।

3. थोक महंगाई (WPI - Wholesale Price Index) का ज्वालामुखी

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में सबसे चौंकाने वाला और अलार्म बजाने वाला आंकड़ा थोक मूल्य सूचकांक (WPI) का है, जो अप्रैल 2026 में उछलकर 8.30त्नपर पहुंच गया है। यह पिछले कई महीनों का उच्चतम स्तर है। थोक महंगाई का इतनी तेजी से बढ़ना इस बात का संकेत है कि उत्पादकों और व्यापारियों के स्तर पर लागत बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है।

इस थोक महंगाई को बढ़ाने वाले मुख्य घटक निम्नलिखित हैं

ईंधन और बिजली (Fuel & Power): इसमें सालाना आधार पर 24.71त्न की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों और घरेलू बिजली दरों में बढ़ोतरी इसका मुख्य कारण है।

निर्मित उत्पाद (Manufactured Products) इनमें 4.55त्नकी वृद्धि हुई है, जो यह दर्शाती है कि फैक्ट्रियों में बनने वाला सामान भी महंगा हो रहा है।

प्रमुख खाद्य और आवश्यक वस्तुओं में महंगाई की स्थिति (सालाना बदलाव)

नीचे दी गई तालिका अप्रैल 2026 के आंकड़ों के आधार पर विशिष्ट वस्तुओं की कीमतों में आए बदलाव को दर्शाती है

7 वस्तु श्रेणी 7 महंगाई दर (सालाना बदलाव) 7 गरीब की थाली पर प्रत्यक्ष प्रभाव

- टमाटर* +35.28% तड़के और ग्रेवी से टमाटर पूरी तरह गायब; भोजन का स्वाद और मुख्य विटामिन प्रभावित।
- फूलगोभी व अन्य सब्जियां+25.58% मौसमी हरी सब्जियों की पहुंच आम आदमी से दूर हुई; थाली में केवल आलू–चावल का वर्चस्व।
- अंडा, मांस और मछली +6.68% प्रोटीन के ये महत्वपूर्ण स्रोत अब गरीब के लिए विलासिता (Luxury) बन चुके हैं।
- दूध और डेयरी उत्पाद +2.56%बच्चों के हिस्से का दूध कम हुआ; चाय और बुनियादी पोषण पर कैंची चली।
- ईंधन और बिजली (थोक) 24.71% परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ने से हर छोटी–बड़ी वस्तु के दाम अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ गए।
- आलू–30.04% पिछले वर्ष (2025) की अत्यधिक कीमतों की तुलना में गिरावट, जो गरीब के लिए एकमात्र तात्कालिक सहारा है।

गरीब की थाली का सूक्ष्म विश्लेषण : पोषण का गंभीर संकट

जब हम गरीब की थाली की बात करते हैं, तो यह केवल पेट भरने की बात नहीं है। यह सीधे तौर पर देश के मानव संसाधन (Human Resource) के स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। महंगाई किस तरह एक गरीब परिवार की थाली को विकृत करती है, इसे निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है:

मोती राम चौहान करसोग मण्डी हिमाचल प्रदेश

1. क्वांटिटी बनाम क्वालिटी (मात्रा बनाम गुणवत्ता)

एक दिहाड़ी मजदूर जिसकी दैनिक आय 300–400 रुपये है, वह कीमतों के बढ़ने पर भोजन की मात्रा तो शायद कम न करे (क्योंकि उसे पेट भरना है), लेकिन वह भोजन की गुणवत्ता से समझौता कर लेता है।

दालों से दूरी : अरहर, मूंग और उड़द की दालें जो कभी गरीब के प्रोटीन का मुख्य जरिया थीं, अब उनकी कीमतें बजट से बाहर हैं। नतीजतन, दाल की जगह पानी जैसी पतली कढ़ी या केवल नमक–मिर्च की चटनी ले लेती है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों (Micronutrients) का अभाव : हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, बीन्स और फूलगोभी (जो 25% से अधिक महंगी हुई हैं) का स्थान केवल आलू और सड़े–बुसे सस्ते अनाज ले लेते हैं। इससे पेट तो भर जाता है, लेकिन शरीर को आवश्यक विटामिन, आयरन और जिंक नहीं मिलते।

2. कुपोषण और एनीमिया का चक्रव्यूह

गरीब की थाली से पोषण गायब होने का सबसे पहला और घातक असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है।

गर्भवती महिलाएं : यदि गर्भवती महिला को पोषणयुक्त भोजन नहीं मिलेगा, तो वह एनीमिया (खून की कमी) का शिकार होगी। भारत में पहले से ही 50% से अधिक महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं, और खाद्य महंगाई इस आंकड़े को और भयावह बना रही है।

स्टंटिंग और वेस्टिंग : पोषण की कमी से पैदा होने वाले बच्चे स्टंटिंग (उम्र के हिसाब से कम लंबाई) और वेस्टिंग (लंबाई के हिसाब से कम वजन) के शिकार हो रहे हैं, जो देश के भविष्य के लिए एक मूक आपदा है।

3. पकाने की लागत

सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत करोड़ों लोगों को मुफ्त गेहूं और चावल तो दे रही है, लेकिन चुनौती केवल अनाज हासिल करना नहीं है। उसे पकाने के लिए रसोई गैस (LPG) सिलिंडर की कीमतें और केरोसिन की अनुपलब्धता एक अलग संकट खड़ी करती हैं। थोक बाजार में ईंधन की 24.71% की वृद्धि का मतलब है कि लकड़ी, कोयला या गैस– हर चीज को जुटाना अब महंगा हो गया है। कई बार गरीब परिवार भोजन पकाने की लागत बचाने के लिए आधा–अधूरा पका भोजन खाने या दिन में केवल एक बार ही चूल्हा जलाने को मजबूर होते हैं।

महंगाई बढ़ने के अंतर्निहित कारण : यह इतनी जिद्दी क्यों है?

वर्तमान समय में महंगाई केवल किसी एक स्थानीय कारण से नहीं बढ़ रही है, बल्कि यह कई वैश्विक और घरेलू कारकों का एक जटिल ताना–बाना है

1. वैश्विक भू-राजनीति और कच्चे तेल का खेल

पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) में जारी तनाव और यूक्रेन–रूस संकट के दीर्घकालिक प्रभावों के कारण अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजार अस्थिर है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85% आयात करता है।

जब वैश्विक स्तर पर कच्चा तेल महंगा होता है, तो देश में डीजल के दाम बढ़ते हैं। डीजल महंगा होने से खेतों में ट्रैक्टर चलाने से लेकर मंडियों तक सब्जी पहुंचाने वाले ट्रकों का किराया बढ़ जाता है। यही कारण है कि थोक ईंधन महंगाई 24त्न के पार चली गई है।

2. जलवायु परिवर्तन और हीटवेव

हाल के वर्षों में मौसम का चक्र पूरी तरह बदल चुका है। मार्च और अप्रैल के महीनों में अचानक आने वाली भीषण गर्मी के कारण फसलें समय से पहले पककर झुलस रही हैं। अल नीनो के प्रभाव से मानसून अनिश्चित हुआ है। इस बार टमाटर और फूलगोभी की फसलों का एक बड़ा हिस्सा खेतों में ही नष्ट हो गया, जिससे मंडियों में आवक (Supply) कम हुई और कीमतें आसमान छूने लगीं।

3. सप्लाई चेन की खामियां और बिचौलियों का जाल-

किसान को अपनी फसल का सही दाम नहीं मिलता और उपभोक्ता को वही सामान बहुत महंगा मिलता है। इस बीच की खाई को बिचौलिए और आढ़तिए पाटते हैं। कोल्ड स्टोरेज और आधुनिक लॉजिस्टिक्स की कमी के कारण लगभग 30–40त्न फल और सब्जियां खेत से रसोई तक पहुंचने से पहले ही सड़ जाती हैं। यह बर्बादी कीमतों को कृत्रिम रूप से बढ़ा देती है।

समाधान की राह क्या किए जाने की आवश्यकता है?

इस संकट से निपटने के लिए सरकार और नीति निर्माताओं को तात्कालिक और दीर्घकालिक– दोनों स्तरों पर ठोस कदम उठाने होंगे

क) तात्कालिक उपाय

ईंधन पर करों में कटौती- केंद्र और राज्य सरकारों को पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी और वैट (VAT) में कटौती करनी चाहिए। थोक ईंधन महंगाई (24.71 प्रतिशत) को नीचे लाए बिना खाद्य वस्तुओं की ढुलाई लागत को कम करना असंभव है।

PDS (राशन प्रणाली) का विविधीकरण-सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केवल चावल और गेहूं देना पर्याप्त नहीं है। सरकार को इस व्यवस्था में रियायती दरों पर दालें, सरसों का तेल, आयोडीन युक्त नमक और मोटे अनाज (जैसे बाजरा, रागी जो पोषण से भरपूर हैं) को अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए।

जमाखोरी पर सख्त लगाम : जमाखोरों और कालाबाजारियों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई होनी चाहिए जो त्योहारों या शादियों के सीजन में सब्जियों और दालों की कृत्रिम कमी पैदा करके मुनाफाखोरी करते हैं। ख) दीर्घकालिक उपाय

कोल्ड चेन और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर : देश के हर जिले और तहसील स्तर पर सरकारी कोल्ड स्टोरेज और %फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना होनी चाहिए। यदि टमाटर और प्याज को सही समय पर स्टोर किया जा सके, तो ऑफ–सीजन में इनकी कीमतों को 35त्न बढ़ने से रोका जा सकता है।

क्लाइमेट–स्मार्ट एग्रीकल्चर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को ऐसे बीजों के विकास और वितरण पर जोर देना होगा जो अत्यधिक गर्मी और बेमौसम बारिश को झेल सकें।

सीधे विपणन को बढ़ावा : किसानों को सीधे उपभोक्ताओं या स्थानीय बाजारों (जैसे अपनी मंडी) से जोड़ा जाए ताकि बिचौलियों का कमीशन खत्म हो और आम जनता को सस्ती दर पर ताजी वस्तुएं मिल सकें।

निष्कर्ष : विकास की वास्तविक परिभाषा : थोक महंगाई के 8.30% पर पहुंचने और खाद्य महंगाई के 4.20% होने के ये आंकड़े केवल कागजी संख्याएं नहीं हैं; ये देश की विशाल आबादी के पेट की भूख और उनके संघर्ष की दास्तान हैं। कोई भी राष्ट्र तब तक विश्वगुरु या विकसित होने का दावा नहीं कर सकता, जब तक उसकी भावी पीढ़ी (बच्चे) और उसे पालने वाली माताएं कुपोषण की शिकार हों। जीडीपी के ऊंचे आंकड़ों के साथ–साथ सरकार को हंगर इंडेक्स (भुखमरी सूचकांक) और आम आदमी की थाली के सूचकांक पर भी ध्यान देना होगा।

वक्त की मांग है कि आर्थिक नीतियों का केंद्र बिंदु कॉर्पोरेट मुनाफे के साथ–साथ गरीब की रसोई को बनाना होगा, ताकि देश का हर नागरिक सम्मान और पोषण के साथ जीवन जी सके। तभी भारत का विकास समावेशी (Inclusive) और सच्चा कहलाएगा।

हिमाचल प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना की भूमिका

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति, बागवानी, हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। राज्य की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, बागवानी, पर्यटन और छोटे ग्रामीण उद्योगों पर आधारित है। ऐसे में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना हिमाचल प्रदेश के लिए आर्थिक विकास और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले के एक विशिष्ट उत्पाद की पहचान कर उसे ब्रांडिंग, विपणन, वित्तीय सहायता और आधुनिक तकनीक के माध्यम से राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाना है। यह योजना वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूत करती है।

हिमाचल प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना स्थानीय उत्पादों को नई पहचान देने के साथ–साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। राज्य के अलग–अलग जिलों की अपनी विशेषताएँ हैं। कहीं सेब उत्पादन प्रसिद्ध है तो कहीं चाय, शहद, हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्र। इस योजना के अंतर्गत इन पारंपरिक उत्पादों को बाजार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि किसानों, बागवानों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों की आय में वृद्धि हो सके। पहाड़ी राज्य होने के कारण हिमाचल प्रदेश में बड़े उद्योगों की संभावनाएँ सीमित हैं, इसलिए स्थानीय उत्पादों पर आधारित अर्थव्यवस्था यहाँ के विकास का प्रमुख आधार मानी जाती है।

किन्नौर और शिमला के सेब हिमाचल प्रदेश की पहचान माने जाते हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से सेब उत्पादन को आधुनिक तकनीक, बेहतर पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। इससे किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलने लगा है। पहले किसानों को बिचौलियों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब ऑनलाइन मार्केटिंग और प्रत्यक्ष व्यापार के अवसर बढ़ने से उनकी आय में सुधार हुआ है। इसी प्रकार कांगड़ा की चाय, जिसे जीआई टैग भी प्राप्त है, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान बना रही है। कांगड़ा चाय की गुणवत्ता और स्वाद इसे विशेष बनाते हैं, और सरकार इसकी ब्रांडिंग तथा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

हिमाचल प्रदेश के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पाद भी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कुल्लू की शॉल, चंबा का चंबा रुमाल और

किन्नौर के पारंपरिक ऊनी वस्त्र राज्य की सांस्कृतिक धरोहर माने जाते हैं।

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से इन उत्पादों को आधुनिक डिजाइन, प्रशिक्षण और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा रहा है। इससे स्थानीय बुनकरों और कारीगरों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। साथ ही, पारंपरिक कला और संस्कृति को भी संरक्षित करने में मदद मिल रही है।

यह योजना हिमाचल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य के दूरदराज़ पहाड़ी क्षेत्रों में रोजगार के सीमित अवसर होने के कारण युवाओं का पलायन लंबे समय से एक बड़ी समस्या रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत

विशाल कल्याण

स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलने से युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। महिला स्वयं सहायता समूह भी इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। महिलाएँ अचार, जैम, शहद, मशरूम, ऊनी वस्त्र और हस्तशिल्प उत्पादों के निर्माण के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन और

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना का भी गहरा संबंध है। राज्य में हर वर्ष लाखों पर्यटक आते हैं और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी में विशेष रुचि दिखाते हैं। मनाली, धर्मशाला, शिमला और डलहौजी जैसे पर्यटन स्थलों पर स्थानीय हस्तशिल्प और खाद्य उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से इन उत्पादों को पर्यटन उद्योग से जोड़कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। इससे कारीगरों और छोटे व्यापारियों को सीधे लाभ मिल रहा है।

हालाँकि हिमाचल में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, फिर भी कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में परिवहन और कनेक्टिविटी की समस्या के कारण उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुँचाने में कठिनाई होती है। कई छोटे उत्पादक अभी भी आधुनिक तकनीक, डिजिटल मार्केटिंग और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी राज्य की बागवानी और कृषि पर पड़ रहा है। सेब उत्पादन वाले क्षेत्रों में मौसम परिवर्तन के कारण उत्पादन और गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार को बेहतर बुनियादी ढाँचा, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी होगी।

भविष्य की दृष्टि से देखा जाए तो हिमाचल प्रदेश वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर और निर्यात–उन्मुख अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकता है। यदि स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, गुणवत्ता और निर्यात क्षमता पर और अधिक ध्यान दिया जाए, तो हिमाचल प्रदेश के उत्पाद वैश्विक बाजार में बड़ी पहचान बना सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई–कॉमर्स और फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को बढ़ावा देकर राज्य के युवाओं के लिए नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। साथ ही, जैविक खेती और प्राकृतिक उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग हिमाचल प्रदेश के लिए एक बड़ा अवसर साबित हो सकती है।

अंततः कहा जा सकता है कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना हिमाचल प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बन चुकी है।

यह योजना केवल स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण और पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। हिमाचल प्रदेश के सेब, चाय, शॉल, शहद और हस्तशिल्प जैसे उत्पाद आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रहे हैं। यदि सरकार, स्थानीय समुदाय और निजी क्षेत्र मिलकर कार्य करें, तो हिमाचल प्रदेश वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से देश के लिए एक आदर्श विकास मॉडल बन सकता है।

सहायक प्रोफेसर
महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी
सोलन

प्रथम न्यूज

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हिमाचल न्यूज

Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

चंबा के अजय शर्मा बने टीसीएल क्रिकेट लीग चंडीगढ़ के चीफ सिलेक्टर

चंबा सहित प्रदेश के लिए गर्भ की बात

चम्बा (एएम नाथ) – हिमाचल जिला चंबा से संबंध रखने वाले अजय शर्मा ट्राइसिटी क्रिकेट लीग चंडीगढ़ के चीफ सिलेक्टर नियुक्त किए गए हैं। अजय शर्मा ने बताया यह लीग 2 जून से चंडीगढ़ में पहली बार करवाई जा रही है। यह ट्राई सिटी की बहुत बड़ी लीग है जिसमें चंडीगढ़ की लोकल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। अजय शर्मा ने बताया कि 20 मई को टीसीएल क्रिकेट लीग के सिलेक्शन ट्रायल होंगे। उसके बाद 25 मई को खिलाड़ियों के ऑक्शन किए जाएंगे अजय ने बताया कि इस से पहले वो कई संगठन और अकादमिक के साथ काम कर चुके हैं। ओर इंडिया पैरा ए क्रिकेट टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं इसके अलावा अजय का नाम वर्ल्ड एक्सीलेंट बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। उन्होंने इंडिया पैरा क्रिकेट टीम में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। वो देश के पहले पैरा खिलाड़ी है। जिन्होंने 50 गेंदों में 176 रन बनाए है। अजय साई एनएस एनआईएस सर्टिफाइड क्रिकेट ओर आईसीसी लेवल ए क्रिकेट कोच भी है। टीसीएल का चीफ सिलेक्टर बनने पर अजय ने टीसीएल से अभिमन्यु कुमार, शैलेंद्र सिंह, कर्म सहगल, विनोद चंदेल और डिजिटल जिला टीम और सभी मेंबर का धन्यवाद किया अजय ने बताया कि टीसीएल के द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है वह उस जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

कमला नेहरू राज्य मातृ एवं शिशु अस्पताल ने आरटीआई आवेदन पर दी बिंदुवार सूचना

अधिवक्ता विनोद चौहान की आरटीआई पर अस्पताल प्रशासन का जवाब

शिमला (एएम नाथ)– कमला नेहरू राज्य मातृ एवं शिशु अस्पताल प्रशासन ने आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई जानकारी के संबंध में अधिवक्ता विनोद चौहान को आवश्यक बिंदुवार सूचना उपलब्ध करवा दी है। यह सूचना पीआईओ–सह–अधीक्षक, श्रेणी–II कार्यालय की ओर से जारी पत्र के माध्यम से भेजी गई।

जारी पत्र के अनुसार, अधिवक्ता विनोद चौहान ने ऑनलाइन आरटीआई आवेदन संख्या HPRTI–80497 के तहत जानकारी मांगी थी। यह आवेदन आईजी मेडिकल कॉलेज शिमला के पीआईओ–सह–अधीक्षक ग्रेड–1 कार्यालय से पत्र संख्या HFW(MC)B(15)112/2006–Vol–49–9104 दिनांक 22 अप्रैल 2026 के माध्यम से कमला नेहरू राज्य मातृ एवं शिशु अस्पताल को प्रेषित किया गया था। उक्त पत्र इस कार्यालय को 23 अप्रैल 2026 को प्राप्त हुआ। अस्पताल प्रशासन ने मामले से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से संपर्क किया। विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग द्वारा पत्र संख्या HFW(MC)OBG/MS/2024–909 दिनांक 13 मई 2026 के माध्यम से आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाई गई। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने संबंधित सूचना को संलग्न करते हुए आवेदक को भेज दिया तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। यह पत्र 14 मई 2026 को जारी किया गया। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों के तहत पारदर्शिता बनाए रखते हुए मांगी गई जानकारी नियमानुसार उपलब्ध करवाई गई है।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए प्रशासन सतर्क, बिलासपुर शहर में निकाला फ्लैग मार्च

बिलासपुर, 16 मई (धर्मपाल) शहरी निकाय चुनाव–2026 के दृष्टिगत स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला एवं पुलिस प्रशासन ने आज बिलासपुर शहर में संयुक्त फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व जिला निर्वाचन अधिकारी (नगर निकाय) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप धवल, अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर, एसडीएम राजदीप सिंह तथा सहायक आयुक्त राजकुमार सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

17 मई रविवार को होने जा रहे शहरी निकाय चुनाव को लेकर यह फ्लैग मार्च नगर परिषद कार्यालय बिलासपुर से शुरू होकर गुरुद्वारा चौक तक निकाला गया। इस मार्च के माध्यम से मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि जिला एवं पुलिस प्रशासन शहरी निकाय चुनाव–2026 को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर अधिकारियों ने सभी मतदाताओं से निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। जिला प्रशासन ने सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि मतदाता सुगमतापूर्वक अपने मत का प्रयोग कर सकें।

कांग्रेस सरकार ने साढ़े तीन साल में नाहन का विकास पूरी तरह बंद किया : डॉ. राजीव बिंदल

» प्रथम न्यूज । नाहन

16 मई (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने नाहन नगर परिषद चुनावों के दृष्टिगत नाहन के प्रबुद्ध मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में कांग्रेस सरकार ने नाहन के विकास को पूरी तरह ठप कर दिया और शहर को विकास के बजाय बंदी और अव्यवस्था की ओर धकेल दिया। डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नाहन में एक भी नई पार्किंग नहीं बनी, एक भी नया पार्क नहीं बनाया गया और विकास कार्य पूरी तरह बंद पड़े रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य रोक दिया गया, नर्सिंग कॉलेज का काम ठप कर दिया गया और माता एवं शिशु अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भी अधर में छोड़ दिया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने विकास के बजाय संस्थानों पर ताले लगाने का काम किया। कई सरकारी दफ्तरों और संस्थानों को बंद कर जनता की सुविधाओं को प्रभावित किया गया। उन्होंने कहा कि नाहन की जनता आज इस बंदी और ठहराव की राजनीति से पूरी तरह निराश है। डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा सरकार के समय नाहन में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए। शहर के विभिन्न हिस्सों में पार्क बनाए गए, मल्टी स्टोरी पार्किंग का निर्माण किया गया और वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे नाहन को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया गया। मेडिकल कॉलेज के नए भवनों का निर्माण शुरू कर नाहन के विकास का नया अध्याय लिखा गया।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है कि अगले वर्ष प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा सरकार बनते ही नाहन में फिर से विकास का नया दौर शुरू होगा। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों, सीवरेज परियोजनाओं, पार्कों और मल्टी स्टोरी पार्किंग्स के निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार झूठी गारंटियां देकर सत्ता में आई थी, लेकिन महिलाओं, युवाओं, बेरोजगारों और आम जनता को केवल ठगने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ?1500 प्रतिमाह देने, युवाओं को रोजगार देने और विकास के वादे केवल चुनावी जुमले साबित हुए।

डॉ. बिंदल ने नाहन की जनता से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि जिन्होंने जनता को झूठे वादों से भ्रमित किया और विकास कार्यों को रोक दिया, उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को अपना वोट और आशीर्वाद देकर नाहन को फिर से विकास की राह पर लाने का कार्य करें।

डॉ. जनक राज ने मुख्यमंत्री पर जनता को गुमराह करने का लगाया आरोप

शिमला (एएम नाथ)– भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने मुख्यमंत्री पर हिमाचल प्रदेश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के तीन प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों कमला नेहरू राज्य मातृ एवं शिशु अस्पताल, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा के प्रशासन ने लिखित रूप में स्पष्ट किया है कि सरकार के कार्यकाल के दौरान हिम केयर योजना के अंतर्गत किसी भी पुरुष का बच्चेदानी का ऑपरेशन नहीं हुआ है। विधायक डॉ. जनक राज ने कहा कि मुख्यमंत्री सदन के भीतर और बाहर लगातार ऐसे बयान देकर प्रदेश की जनता को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के बयानों से चिकित्सा जगत और स्वास्थ्य कर्मियों का मजाक बन रहा है।

विधायक ने कहा कि प्रदेश के बड़े अस्पतालों की ओर से उपलब्ध करवाई गई आधिकारिक जानकारी मुख्यमंत्री के दावों को गलत साबित करती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और तथ्यों के आधार पर ही बयान दिए जाने चाहिए। डॉ. जनक राज ने मुख्यमंत्री से सार्वजनिक रूप से खेद प्रकट करने और प्रदेश की जनता से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को पारदर्शिता बनाए रखते हुए सही जानकारी जनता के सामने रखनी चाहिए।

सफ़ेद झूठ है मुख्यमंत्री की दस गारंटियां पूरी करने का दावा: जयराम ठाकुर

सीएम सुक्खू के दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष का तीखा पलटवार, बोले, झूठ की सारी सीमाएं लांघी, बालीचौकी में कहा, कार्यकर्ता एकजुटता से लड़ें चुनाव

» प्रथम न्यूज । मंडी

16 मई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री ने राजनीतिक लाभ के लिए झूठ बोलने की सारी सीमाएं लांघ दी हैं और कांग्रेस ने सत्ता में आने के लिए जिन झूठी गारंटियों का सहारा लिया था, उनमें से आज तक एक भी पूरी नहीं हुई है, जबकि मुख्यमंत्री मीडिया में बयान दे रहे हैं कि सभी दस गारंटियां पूरी कर दी गई हैं जो जनता को पूरी तरह भ्रमित करने वाली और हास्यास्पद बात है। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस जैसा राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए झूठ बोले तो समझ आता है, लेकिन संवैधानिक पद पर बैठा मुख्यमंत्री जब ऐसा सफेद झूठ कहे तो यह विशुद्ध राजनीतिक लाभ लेने की मंशा को दर्शाता है, जबकि वास्तविकता यह है कि प्रदेश सरकार के पास अपने कर्मचारियों को समय पर सैलरी और पेंशन देने के लिए पैसे नहीं हैं और मुख्यमंत्री जनता को लालच दे रहे हैं कि कांग्रेस के पार्षदों को जिताकर भेजो तो विकास के लिए एक–एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे, जिससे साफ होता है कि यह सिर्फ वोट हथियाने और पार्षदों को खरीदने की घटिया राजनीति है जिसे जनता अब अच्छी तरह समझ चुकी है और चारों नगर निगम चुनावों के साथ–साथ स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों में भाजपा शानदार प्रदर्शन कर इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। शहरी क्षेत्र की जनता समझ चुकी है कि नगर निगमों में कहीं से बजट आयेगा तो वो भारत सरकार ही है और ऐसे में मुख्यमंत्री के पैंतरे काम नहीं आने वाले। हम दावे के साथ कह सकते हैं कि केंद्र से सभी नगर निगमों के लिए बजट का प्रावधान हम करेंगे और कांग्रेस को दिखा देंगे कि विकास कैसे करवाया जाता है।

मेरे लिए कार्यकर्ता पहले प्रधान बाद में

अपने गृहक्षेत्र बालीचौकी के दौरे के दौरान

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को सख्त हिदायत देते हुए एक बड़ा संगठनात्मक संदेश दिया कि उनके लिए पार्टी का निष्ठावान कार्यकर्ता हमेशा पहले है और प्रधान या अन्य पद बाद में आते हैं, इसलिए कोई भी व्यक्ति संगठन को दरकिनार करके या आपसी मतभेद पालकर पंचायत चुनाव न लड़े बल्कि सभी लोग आपसी तालमेल और एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरें। उन्होंने जनभावनाओं का सम्मान करने पर बल देते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि हमेशा काम करवाने वाला होना चाहिए और जो जनता के सुख–दुख में सहभागी बनकर उनकी आवाज को सही मंच पर मजबूती से उठा सके, जनता को केवल उसी योग्य व्यक्ति का चुनाव करना चाहिए। जयराम ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करते हुए आह्वान किया कि प्रदेश की सुक्खू सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल और वित्तीय रूप से दिवालिया हो चुकी है, इसलिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर धरातल पर सक्रिय हो जाएं और सरकार की जनविरोधी नीतियों व भ्रष्टाचार को जनता के बीच ले जाकर आगामी स्थानीय निकाय व पंचायती राज चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने के साथ ही इस जनविरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल करने की नींव रखें।

सराज में लोकतंत्र की मिसाल, गुढार और अनाह पंचायतें निर्विरोध चुनी गईं

सराज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुढार और ग्राम पंचायत अनाह का सर्वसम्मति से निर्विरोध गठन हुआ है। इस ऐतिहासिक फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं सराज के विधायक जयराम ठाकुर ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारे और एकता का यह उदाहरण पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। ग्रामीणों के इस फैसले से चुनाव में होने वाले मतभेदों से बचकर विकास को गति मिलेगी। उम्मीद है कि दोनों पंचायतें विकास, जनसेवा और सामाजिक समरसता के नए आयाम स्थापित करेंगी। सभी पंचायत वासियों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई।

13 हजार कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी में लगाकर हजारों का वोट छीनना लोकतंत्र पर हमला : प्यार सिंह कंवर

» प्रथम न्यूज । शिमला

16 मई (बी. शर्मा)

भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी एवं पूर्व सचिव प्यार सिंह कंवर ने पंचायत चुनावों में चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के मतदान से वंचित होने के मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के मूल अधिकारों पर सीधा हमला है और कांग्रेस सरकार की प्रशासनिक विफलता का बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में 3758 पंचायतों, जिला परिषद के 251 वार्डों और पंचायत समिति के 1769 वार्डों में तीन चरणों में चुनाव कराए जा रहे हैं। इन चुनावों के संचालन के लिए लगभग 13 हजार सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, लेकिन विडंबना यह है कि इन्हीं में से हजारों कर्मचारी अपना मताधिकार प्रयोग नहीं कर पाएंगे।

प्यार सिंह कंवर ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा पंचायत चुनावों के लिए लगभग 1300 पोलिंग पार्टियां बनाई गई हैं और प्रत्येक पोलिंग पार्टी में करीब 6 अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद कर्मचारियों के मतदान की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। चुनाव ड्यूटी सर्टिफिकेट (EDC) जारी न होने और कर्मचारियों की ड्यूटी उनके मतदान क्षेत्रों से बाहर लगाए जाने के कारण हजारों कर्मचारी वोट डालने से वंचित हो रहे हैं।

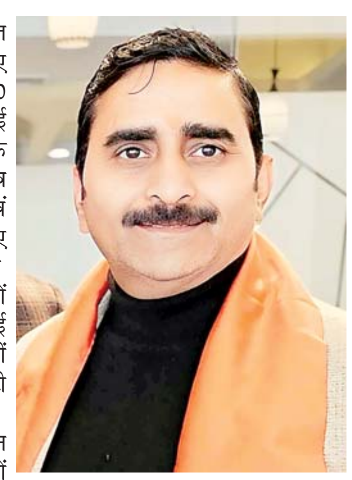

उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में कई बार जीत–हार का अंतर केवल एक या दो वोट तक सीमित रहता है। ऐसे में हजारों कर्मचारियों का मतदान न कर पाना चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

भाजपा नेता ने कहा कि जो कर्मचारी पूरा दिन मतदान प्रक्रिया को सफल बनाने में लगाए जाएंगे, वही अपने संवैधानिक अधिकार का उपयोग नहीं कर पाएंगे। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे कर्मचारी वर्ग में भारी नाराजगी व्याप्त है।

प्यार सिंह कंवर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का कार्य कर रही है। पहले स्थानीय निकाय और पंचायतीराज चुनावों को टालने का प्रयास किया गया और अब चुनाव प्रक्रिया में लगे कर्मचारियों को मतदान से वंचित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों की ड्यूटी उनके अपने ब्लॉक या निकटवर्ती क्षेत्रों में लगाई जाती तो वे मतदान कर सकते थे, लेकिन सरकार और प्रशासन ने इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया।

भाजपा नेता ने मांग की कि राज्य चुनाव आयोग तुरंत इस विषय पर हस्तक्षेप करे और चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के मतदान के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि किसी भी कर्मचारी का लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित न हो।

उन्होंने कहा कि प्रदेश का कर्मचारी वर्ग और आम जनता कांग्रेस सरकार की इस कार्यशैली को देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा।

मानपुरा स्कूल में शिक्षकों और बच्चों ने सीखे ढिंगरी मशरूम उत्पादन के गुर

छात्रों व मिड डे मिल कर्मियों ने सीखे मशरूम उत्पादन के गुर

बद्दी, 16 मई (तारा) – व्हाइट अंब्रेला मिशन व मिड डे मील योजना के अंतर्गत स्कूलों में मशरूम उत्पादन का लक्ष्य जिले के स्कूलों में रखा गया है। इसके अंतर्गत पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मानपुरा कलस्टर के अतंर्गत आने वाले सभी सरकारी विद्यालयों के अध्यापकों व स्कूल में कृषि विषयों के छात्रों व मिड – डे मील कर्मियों ने मशरूम उत्पादन के गुर सीखे। स्कूल प्रधानाचार्य बबीता परमार ने सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को ढिंगरी मशरूम के गुणों के बारे में बताया तथा इसके उपयोग से विद्यार्थियों को मिड –डे मील में प्रोटीन युक्त भोजन मिलेगा जो उनके शारीरिक विकास के लिए जरूरी है। इस प्रशिक्षण के लिए प्रधानाचार्य ने अपने कलस्टर के सभी स्कूलों से एक–एक अध्यापक ,विद्यालय में कृषि विषय से संबंधित विद्यार्थियों और मिड डे मील कर्मियों का मार्गदर्शन किया और अपने–अपने स्कूलों में ढिंगरी मशरूम उगाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी विजय कुमार पराशर ने विद्यालय में अध्यापकों और छात्रों को मशरूम उगाने के गुर सिखाए तथा मशरूम उत्पादन का पहला बैच भी तैयार किया, जिससे अगले 15 से 20 दिनों के बाद स्कूल में विद्यार्थियों को मिड डे मील में यह मशरूम परोसी जाएगी।

जिला के चार शहरी निकायों के चुनाव के लिए मतदान पार्टियां चुनाव सामग्री के साथ रवाना

17 मई (रविवार) प्रातः 7 बजे से अपराह्न 3 बजे तक होगा मतदान, चुनाव की सभी तैयारियां पूर्ण

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

16 मई (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)

जिला निर्वाचन अधिकारी (शहरी निकाय) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला के चार शहरी निकायों के चुनाव के लिए आज मतदान पार्टियों को सम्बन्धित शहरी निकाय मुख्यालयों से उनके गंतव्य के लिए मतदान सामग्री के साथ रवाना कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 17 मई (रविवार) प्रात: 7 बजे से अपराहन 3 बजे तक मतदान करवाया जाएगा। इसके उपरांत इसी दिन निर्धारित मतगणना स्थलों पर मतों की गिनती की जाएगी तथा चुनाव परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बिलासपुर नगर परिषद के लिए 11 मतदान दलों, जिनमें 44 मतदानकर्मी तथा 22 सुरक्षाकर्मी शामिल

है को चुनावी ड्यूटी में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त 03 मतदान दलों को रिजर्व में रखा गया है। इसी तरह नगर परिषद घुमारवीं के लिए 09 मतदान दलों, जिनमें 36 मतदानकर्मी तथा 18 सुरक्षाकर्मी शामिल है को चुनावी ड्यूटी में तैनात किया गया है। जबकि 04 मतदान दलों को रिजर्व में रखा गया है।

राहुल कुमार ने बताया कि नगर परिषद श्री नैना देवी जी के लिए 07 मतदान दलों, जिनमें 28 मतदानकर्मी तथा 14 सुरक्षाकर्मी शामिल है को चुनावी ड्यूटी में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त 04 मतदान दलों को रिजर्व में रखा गया है। जिला की नगर पंचायत शाहतलाई के लिए कुल 07 मतदान दलों, जिनमें 28 मतदान कर्मी तथा 14 सुरक्षाकर्मी शामिल है को चुनावी ड्यूटी में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त 02 मतदान दलों को रिजर्व में रखा गया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से जिला के सभी चारों शहरी निकायों में मतदान कराया जाएगा, जिसके लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियों को पूर्ण कर लिया है। उन्होंने सम्बन्धित नगर निकायों के मतदाताओं से बढ–चढ कर मतदान में भाग लेने का आह्वान किया है।

लघु उद्योग भारती बरोटीवाला इकाई ने हर्षोल्लास से मनाया 33वां स्थापना दिवस

» प्रथम न्यूज । बद्दी

16 मई (गुरजीत सिंह)

लघु उद्योग भारती बरोटीवाला इकाई ने 33वां स्थापना दिवस सरस्वती विद्या मंदिर बुरांवाला में बरोटीवाला इकाई के प्रधान संजीव सिंह की अध्यक्षता में मनाया। जिसमें हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी अतुल परमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती और माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतुल परमार ने कहा कि हम सभी की पर्यावरण के प्रति जिम्मेवारी बनती है कि हम इसका विशेष ध्यान रखे। उद्योगपति अपने उद्योगों के विकास के साथ साथ पर्यावरण के प्रति भी सजग रहे। परमार ने स्कूल में कम्प्यूटर लैब का शुभारंभ किया जिसे लघु उद्योग भारती बरोटीवाला इकाई ने स्थापित किया। परमार ने कम्प्यूटर लेब में प्रिंटर देने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के अन्तर्राष्ट्रीय सदस्य विक्रम बिंदल ने लघु उद्योग भारती के इतिहास पर प्रकाश डाला। तथा कहा कि देश का सबसे बड़ा उद्योग संगठन है जो देश में सर्वाधिक रोजगार भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस बार स्थापना दिवस देश की हर इकाई में मनाया गया। लघु उद्योग भारती देश का सबसे बड़ा संगठन है। जो हमेशा उद्योगों की समस्याओं को निपटाने में अग्रणी रहता है। उन्होंने लघु उद्योग भारती द्वारा साल भर में मनाए जाने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला तथा कहा कि यह कार्यक्रम भी उसी का एक हिस्सा है। इकाई द्वारा स्कूल में भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतुल परमार, विक्रम बिंदल, प्रदेश अध्यक्ष अखिल मोहन अग्रवाल, महासचिव अश्वनी गर्ग, कोषाध्यक्ष अजय चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद खन्ना, संजीव शर्मा, सृष्टि टेक्नोलॉजी के महाप्रबंधक सुधीर दयाल अग्रवाल, महेश कौशल, रवि शर्मा, अध्यक्ष बरोटीवाला इकाई संजीव सिंह, महासचिव हेमंत कौशल, हंसानन्द झा, डॉ मुकेश मल्होत्रा, संजय आहूजा, डॉ एल.बी. यादव, सवर्ण सिंह, सोमनाथ पाल, रवि बंसल, सुनील, हमीश, करण आहूजा, नरेंद्र खन्ना, कुलदीप चौहान, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य राकेश और अशोक, विवेक, सरवन, सौरभ सहित अन्य मौजूद रहे।

एलन-रघुवंशी के तूफान में उड़ी गुजरात, जीत के साथ कोलकाता ने प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा

फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी और कैमरन ग्रीन के अर्धशतक के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुजरात टाइटंस को 29 रनों से हरा दिया है। कोलकाता ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाए थे और गुजरात को जीत के लिए 248 रनों का लक्ष्य दिया था।

गुजरात की टीम मुकाबले में 4 विकेट के नुकसान पर 218 रन बना सकी और मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ कोलकाता ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। कोलकाता अगर अपने अगले मुकाबले भी जीत लेती है, तो उनका टॉप-4 में पहुंचना संभव हो सकता है।

फिन ने फिर दिखाया फन

सत्र के आरंभिक मैचों में विफल रहे कीवी बल्लेबाज एलन फिन अब लय में आ गए हैं। उन्होंने मात्र 35 गेंदों पर 93 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें चार चौके व 10 छक्के शामिल रहे। फिन पहली कुछ गेंदों पर शांत दिखे, लेकिन उसके बाद आक्रामक रूख अख्तियार कर लिया। उन्होंने 21 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। उसके बाद वे और उग्र हो उठे और सिर्फ चौके-छक्के से बात करनी शुरू कर दी।

स्टेडियम में मौजूद कोलकाता के समर्थक भी उनकी बल्लेबाजी देख झूम उठे। चुनाव खत्म होने के बाद कोलकाता में हुए पहले मैच में फिन की बल्लेबाजी ने उनके मन को तरोताजा कर दिया। फिन ने मोहम्मद सिराज, जेसन होल्डर, कगिसो रबाडा, जेसन होल्डर से लेकर राशिद खान व अरशद खान तक किसी को नहीं बख्शा। उन्होंने राशिद खान का स्वागत दो छक्कों व एक चौके से किया।

अरशद के ओवर में तीन छक्के

इसी तरह अरशद खान के पहले ही ओवर में तीन छक्के व एक चौका लगाया। फिन ने शेष 43 रन मात्र 14 गेंदों पर बनाए। आखिरकार साई किशोर ने उनका विकेट लेकर टीम को राहत दिलाई। फिन को हालांकि दो बार जीवनदान भी मिला। पहले सिराज की गेंद पर होल्डर व उसके बाद होल्डर की गेंद पर सिराज ने उनका कैच छोड़ा। फिन ने इससे पहले दिल्ली के विरुद्ध 47 गेंदों पर अविजित शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी।

अंगकृष का जलवा

21 साल के अंगकृष ने मात्र 44 गेंदों पर अविजित 82 रनों की एक और लाजबाव पारी खेल सत्र का पांचवां अर्धशतक जड़ा। उनकी पारी में चार चौके व सात छक्के शामिल रहे। अंगकृष ने 2022 में हुए अंडर-19 विश्वकप में ही भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर अपनी प्रतिभा दिखा दी थी। ग्रीन ने भी 28 गेंदों पर अविजित 52 रन बनाए, जिनमें तीन चौके व चार छक्के शामिल थे।

गुजरात ने छोड़े कई कैच

इस मैच में गुजरात का क्षेत्ररक्षण कमजोर पक्ष के रूप में नजर आया। पहले सिराज व होल्डर ने फिन का कैच छोड़ा, फिर राशिद खान की गेंद पर अरशद खान ने कैमरन ग्रीन का कैच टपका दिया। आखिर के ओवर में रबाडा की गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर ने भी ग्रीन का आसान सा कैच छोड़ दिया।

सिराज के 200 विकेट

मोहम्मद सिराज ने अपने तीसरे ओवर में रहाणे को बोल्ड आउट कर टी20 क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए। सिराज इस सत्र में शानदार फॉर्म में हैं। वे अब तक 14 विकेट चटका चुके हैं।

वहीं, केकेआर ने गुजरात के विरुद्ध मैच में एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह घरेलू मैदान में 100 मैच खेलने वाली आईपीएल की दूसरी टीम बन गई है। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने घरेलू मैदान में 100 मैच खेले हैं।

पाकिस्तान पर अकेले भारी पड़े लिटन दास, ठोका शानदार शतक, तीसरी बार किया ये कारनामा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है, जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है. इस सीरीज का दूसरा मुकाबला सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहा है. इस मुकाबले के पहले दिन बांग्लादेश के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज लिटन दास ने एक शानदार पारी खेली और शतक जड़ने का कारनामा किया. लिटन दास ने ये पारी एक अहम मौके पर खेली, क्योंकि जब वह क्रीज पर आए तो टीम काफी दबाव में थी.

लिटन दास ने ठोका शानदार शतक

इस मैच में बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती झटके लगे. लिटन दास जब क्रीज पर आए तब बांग्लादेश ने 106 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे.

देखते ही देखते 116 रन पर 6 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए. जिसके बाद लिटन दास ने टीम की पारी को संभालने का काम किया और दमदार वापसी करवाई. लिटन दास ने 135 गेंदों का सामना करते हुए 100 रन का आंकड़ा छुआ. उन्होंने अपने टेस्ट करियर में छठी बार शतक जड़ने का कारनामा किया.

लिटन दास ने इस पारी में कुल 159 गेंदों का सामना किया और 126 रन बनाए, इस दौरान उनके बल्ले से 16 चौके और 2 छक्के देखने को मिले. बता दें, लिटन दास ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरी बार शतक जड़ा. उन्होंने अपने टेस्ट करियर में सबसे ज्यादा शतक इसी टीम के खिलाफ लगाए हैं. हालांकि, इस पारी के दौरान लिटन दास 53 रन के स्कोर पर कैच आउट हो गए थे. लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया था और ना ही पाकिस्तान ने रिव्यू लिया, जिसके चलते लिटन दास बच गए.

बांग्लादेश ने बनाए 278 रन

लिटन दास के इस शानदार शतक के चलते बांग्लादेश की टीम अपनी पहली पारी में 278 रन बनाने में कामयाब रहे.

इस दौरान लिटन दास के अलावा कोई भी खिलाड़ी 30 रन का आंकड़ा नहीं छू सका. लेकिन लिटन दास ने अपने दम पर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया. दूसरी ओर, पाकिस्तान के लिए खुर्रम शहजाद सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 विकेट चटकाए. उनके अलावा मोहम्मद अब्बास ने 3 सफलता अपने नाम कीं. हसन अली को 2 विकेट और साजिद खान को 1 विकेट मिला.

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में हसन अली चोटिल स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाए गए

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सिलहट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन पाकिस्तान टीम को बड़ा झटका लगा, जब स्टार तेज गेंदबाज हसन अली सिर में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए। घटना के बाद टीम में कुछ देर के लिए चिंता का माहौल देखा गया। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। मैच के आठवें ओवर के दौरान यह हादसा हुआ, जब हसन अली बांग्लादेशी बल्लेबाज तनजीद हसन तमीम को गेंदबाजी कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार, बल्लेबाज ने गेंद को सीधा गेंदबाज की ओर खेल दिया। गेंद को पकड़ने के प्रयास में हसन अली आगे की ओर कूदे, लेकिन इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे जमीन पर गिर पड़े। गिरने के दौरान उनके सिर में चोट लग गई। घटना के तुरंत बाद मेडिकल टीम मैदान पर पहुंची और प्राथमिक उपचार किया गया।

हालांकि, चोट की गंभीरता को देखते हुए उन्हें स्ट्रेचर के माध्यम से मैदान से बाहर ले जाया गया। इस घटना ने दोनों टीमों और दर्शकों को चिंतित कर दिया।

पाकिस्तानी टीम प्रबंधन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है और खिलाड़ी की मेडिकल जांच की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर लगातार निगरानी रख रही है। इस घटना के बाद कुछ देर के लिए मैच भी रुका रहा, लेकिन बाद में खेल को फिर से शुरू किया गया। टीम के लिए यह एक बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि हसन अली टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। फिलहाल उनकी चोट की गंभीरता को लेकर आधिकारिक मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

इसे तुरंत बैन करो, IPL के इस नए ट्रेंड पर फूटा पूर्व क्रिकेटर्स का गुस्सा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आकाश सिंह ने पर्ची सेलिब्रेशन किया। इसके बाद कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने इस तरह के जश्न की जमकर आलोचना की है। इसमें साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन और अंबाती रायडू शामिल हैं। आईपीएल 2026 में कई खिलाड़ियों द्वारा पर्ची सेलिब्रेशन देखने को मिला है।

मुंबई के रघु शर्मा और फिर चेन्नई के उर्विल पटेल ने पर्ची सेलिब्रेशन किया। इससे पहले अभिषेक शर्मा भी पर्ची सेलिब्रेशन कर चुके हैं। ऐसे में अब इस चलन को लेकर पूर्व खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इस तरह के जश्न को बैन कर देना चाहिए। ये मांग आकाश के सेलिब्रेशन के बाद आई है, जहां उन्होंने पर्ची पर लिखा था कि अक्की ऑन फायर - आकाश जानता है कि टी20 क्रिकेट में कैसे विकेट लेते हैं।

दिग्गजों ने की जश्न की आलोचना

ईएसपीएनक्रिकइंफो पर बात करते हुए न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन, अंबाती रायडू ने इसकी आलोचना की। रायडू ने कहा, मैं ये जानना चाहता हूं कि किस पल उसने सोचा कि ऐसा करना बढ़िया रहेगा। जैसे ही मैं इसे टीवी पर दिखाऊंगा, लोग मुझे कूल समझेंगे। मैं ये भी जानना चाहता हूं कि उसे किसने बताया कि इस तरह से सेलिब्रेशन करना शानदार होगा। ये उनका अपना फैसला है और हो सकता है कि लोगों को ये पसंद न आए। ये थोड़ा हास्यास्पद और बेतुका है।

मैक्लेनघन ने कहा, मैं इस पीढ़ी के युवा खिलाड़ियों को देखकर दंग रह जाता हूं। आईपीएल में आपने अपने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया और लोग आपका नाम जानने लगते हैं लेकिन उससे पहले ही आपके ऊपर उंगली उठ जाती है। इसको लेकर कुछ सोचना चाहिए कि तुम्हारे कितने दुश्मन है, तुमने तो अभी सिर्फ चार मैच खेले हैं।

डेल स्टेन ने भी उठाए सवाल

पूर्व अफ्रीकी गेंदबाज स्टेन ने इसे पूरी तरह से खत्म करने की बात कही है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, इस तरह से नोट्स सेलिब्रेशन को किनारे रख देने का समय आ गया है। इसका चलन अब खत्म हो गया है। अगर मैं सच कहूं, तो ये कभी भी चलन में था ही नहीं।

लखनऊ से करारी हार के बाद रवि शास्त्री ने CSK को दी बड़ी नसीहत

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच और कमेंटेटर रवि शास्त्री को लगता है कि चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) से मिली सात विकेट की हार से कुछ कड़े सबक सीखे होंगे और उम्मीद जताई कि पांच बार की चैंपियन टीम अपने बाकी बचे दो मैच जीतकर आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बनी रहेगी।

शास्त्री ने जियो हॉटस्टार से कहा कि मुझे लगता है कि इस विकेट पर रन बनाना आसान नहीं था और पहले बल्लेबाजी करने के बावजूद उन्होंने 187 रन बनाए। संजू सैमसन ने रन नहीं बनाए, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी खास योगदान नहीं दिया। इसलिए अगर वे (आगामी मैचों में) फॉर्म में आ जाते हैं तो यह सीएसके के लिए महत्वपूर्ण होगा।

चेन्नई के गेंदबाजों ने लिया होगा सबकः रवि शास्त्री

उन्होंने कहा कि सीएसके के गेंदबाजों को यह सीख मिली होगी कि इस तरह की परिस्थितियों में उन्हें किस लेंथ पर गेंदबाजी करनी है। वे चेन्नई की परिस्थितियों से अच्छी तरह से अवगत हैं और उन्हें पता है कि वहां किस लेंथ पर गेंदबाजी करनी है। वे अपने मैदान पर अधिक कारगर साबित होंगे। इसलिए मुझे लगता है कि यह उनके लिए एक खराब दिन की तरह था और उन्होंने इससे कई सबक लिए होंगे।

खुद को प्रेरित करने के लिए जश्न का अलग तरीका अपनाता हूंः आकाश

लखनऊ सुपर जायंट्स की आईपीएल मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के विरुद्ध जीत में तीन विकेट लेकर अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज आकाश सिंह ने जश्न के अपने अनोखे तरीके से लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा और उन्होंने कहा कि वह खुद को प्रेरित करने और बल्लेबाजों पर दबदबा कायम रखने के उद्देश्य से इस तरह का जश्न मनाते हैं। आकाश से जब पूछा गया कि उन्होंने कागज के टुकड़े पर क्या लिखा था, उन्होंने कहा कि अक्की को टी-20 क्रिकेट में विकेट लेना आता है। ऐसा है ना।

आकाश ने बताया कि इससे उन्हें प्रेरणा मिलती है और यह बल्लेबाजों पर हावी होने और टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।

मुझे कोच से मिला समर्थनः आकाश

उन्होंने कहा कि विभिन्न लोगों के लिए अलग-अलग चीज प्रेरणा का काम करती हैं। कभी मैं कागज का टुकड़ा दिखाता हूं तो कभी नहीं। इससे मेरी उस दिन की मानसिकता का पता चलता है। जब आप अपने साथ कुछ लिखा हुआ कागज रखते हैं तो अपने लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश करते हैं। राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले आकाश ने कहा कि पिछले दो वर्षों में एलएसजी के सहयोगी स्टाफ से मिले सहयोग से उन्हें एक अच्छा क्रिकेटर बनने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मैं दो साल से एलएसजी के साथ हूं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही है कि मुझे कोच का पूरा समर्थन मिला है, भले ही मुझे अंतिम एकादश में जगह नहीं मिले।

टाई से पहले KKR का प्लेऑफ़ स्केनARIO और कोलकाता में मौसम का हाल

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

कोलकाता नाइट राइडर्स के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं होगी जब वे शनिवार को ईडन गार्डन्स में IPL 2026 के एक अहम मैच में इन-फॉर्म गुजरात टाइटन्स को होस्ट करेंगे। पिछले गेम में RCB से चयक्र की हार ने अब से हर एक गेम को जीतना ज़रूरी बना दिया है। IPL 2024 की चैंपियन टीम अभी 11 गेम के बाद 9 पॉइंट पर है और मैथमेटिकली अभी भी प्लेऑफ़ के लिए क्वालिफ़ाई कर सकती है। Also Read - गौतम संजय तालिका में शीर्ष पर

KKR पिछले साल प्लेऑफ़ में नहीं पहुँच पाई थी, और यह लगातार दूसरा साल हो सकता है जब वे प्लेऑफ़ में जगह बनाने से चूक जाएँ। लगातार तीन होम मैच के साथ, KKR अपने होम क्राउड के सपोर्ट पर भरोसा करेगी, जो उनकी सफलता का अहम हिस्सा रहा है। अगर KKR अपने बाकी गेम जीत जाती है, तो वे ज़्यादा से ज़्यादा 15 पॉइंट तक पहुँच जाएँगे और अगर कुछ और नतीजे उनके पक्ष में जाते हैं तो वे अभी भी क्वालिफ़ाई कर सकते हैं। सनराइज़र्स हैदराबाद, CSK, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स अभी भी 16 पॉइंट का बैरियर पार कर सकते हैं। तो KKR के नज़रिए से, इन चार टीमों को अपने बाकी सभी गेम हार जाने चाहिए, क्योंकि वे अपने आखिरी तीन मैचों में इनमें से किसी का भी सामना नहीं करेंगे।

प्लेऑफ़ की एक और उम्मीद, दिल्ली कैपिटल्स, 24 मई को KKR से भिड़ेगी और DC को यह पक्का करना होगा कि वे DC के खिलाफ अपना मैच जीतें। अगर सभी क्राइटेरिया पूरे होते हैं, तो KKR भी 13 पॉइंट्स के साथ क्वालिफ़ाई कर सकता है, लेकिन अभी उनका नेट रन रेट PBKS से ज़्यादा होना चाहिए। शनिवार के लिए कोलकाता मौसम का अनुमान कोलकाता में तापमान 27 और 37 डिग्री के बीच रहेगा। अनुमान है कि सिटी ऑफ़ जॉय में हल्की बारिश होगी, लेकिन इसके अलावा आसमान में बादल छाए रहेंगे। AccuWeather के अनुसार, बारिश की 8% संभावना है।

टेस्ट मैच में बड़ा हादसा, तेज गेंदबाज हसन अली का सिर पिच से टकराया, स्ट्रेचर पर ले जाया गया

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सिलहट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान एक डरावना हादसा देखने को मिला। पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज हसन अली कैच पकड़ने की कोशिश में बुरी तरह गिर पड़े, जिसके बाद कुछ समय के लिए मैदान पर सन्नाटा छा गया।

सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें स्ट्रेचर के जरिए मैदान से बाहर ले जाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मैच के पहले दिन आठवें ओवर में यह हादसा हुआ। हसन अली अपनी ही गेंद पर तंजीद हसन तमीम का कैच लेने के लिए आगे बढ़े थे। बल्लेबाज के बल्ले का बाहरी किनारा लगने के बाद गेंद हवा में उछली, लेकिन कैच पकड़ने के प्रयास में हसन अपना संतुलन खो बैठे और सीधे पिच पर गिर गए। गिरते समय उनका सिर जोर से जमीन से टकराया, जिसके बाद वह कुछ सेकेंड तक मैदान पर बिना हिले पड़े रहे। यह दृश्य देखकर खिलाड़ी और दर्शक दोनों चिंतित नजर आए।

इसके तुरंत बाद मेडिकल टीम मैदान पर पहुंची। हसन अली अपने सिर को पकड़ते हुए दिखाई दिए और उन्हें चक्कर आने की शिकायत भी हुई। एहतियात के तौर पर मेडिकल स्टाफ ने उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर पहुंचाया। पाकिस्तान टीम के कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के चेहरे पर भी चिंता साफ दिखाई दी। उनके ओवर की बची हुई गेंदें सलमान अली आगा ने पूरी कीं।

हालांकि, काफी देर तक उपचार के बाद हसन अली ने मैदान पर वापसी की और 19वें ओवर में फिर से गेंदबाजी करते नजर आए। उनकी वापसी से पाकिस्तान टीम और फैंस ने राहत की सांस ली अगर मैच की बात करें तो पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। सिलहट की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित होती दिखी। मोहम्मद अब्बास ने मैच की दूसरी ही गेंद पर महमूदुल हसन जॉय को आउट कर पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद तंजीद हसन तमीम और मोमिनुल हक ने तेजी से रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन अब्बास ने तंजीद को 26 रन पर आउट कर बांग्लादेश को दूसरा झटका दे दिया।

ICC की अहमदाबाद में तिमाही बैठक, PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी के भारत दौरे पर नजर

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) मई के आखिर में अहमदाबाद में अपनी तिमाही बोर्ड बैठक आयोजित करने जा रही है। इस बैठक को लेकर क्रिकेट जगत में खास चर्चा है, क्योंकि इसी दौरान यह भी माना जा रहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी के भारत आने और हाई-लेवल बातचीत में शामिल होने की संभावना बन सकती है। ICC की चीफ एग्जीक्यूटिव्स कमेटी (CEC) की बैठक 21 मई को वर्चुअल माध्यम से होगी। इसके बाद 30 और 31 मई को ICC बोर्ड की आमने-सामने बैठक अहमदाबाद में आयोजित की जाएगी। पहले यह बैठक दोहा, कतर में प्रस्तावित थी, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय तनाव के कारण इसे बदलकर भारत के अहमदाबाद में शिफ्ट कर दिया गया है।

इस बैठक की एक और खास बात यह है कि यह IPL 2026 के फाइनल मैच के साथ ही आयोजित होगी, जो उसी वीकेंड पर अहमदाबाद में खेला जाएगा। ऐसे में यह शहर एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रशासन और लीग क्रिकेट के सबसे बड़े मुकाबले का केंद्र बन जाएगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में ICC के कई अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है, जिनमें भविष्य के टूर्नामेंट्स की योजना, क्रिकेट के वैश्विक विस्तार, और सदस्य देशों के बीच समन्वय जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा, बोर्ड स्तर पर कई रणनीतिक फैसलों पर भी विचार किया जा सकता है। मोहसिन नकवी की संभावित उपस्थिति को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं। यदि वह भारत आते हैं, तो यह पाकिस्तान और भारत के क्रिकेट प्रशासन के बीच उच्च स्तरीय बातचीत के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाएगा। हालांकि, इस पर अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि अहमदाबाद में होने वाली यह बैठक केवल प्रशासनिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हो सकती है, क्योंकि इसमें कई सदस्य देशों के शीर्ष अधिकारी एक साथ मौजूद रहेंगे। फिलहाल, सभी की नजर 21 मई की वर्चुअल मीटिंग और उसके बाद होने वाली अहमदाबाद बैठक पर टिकी है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई अहम फैसलों की दिशा तय कर सकती है।

एक नज़र

श्री गुरु हरगोबिंद साहिब पब्लिक स्कूल के 10वीं कक्षा के परिणाम उत्कृष्ट रहे

जीरा, 16 मई (अंग्रेज बराड़) – श्री गुरु हरगोबिंद साहिब पब्लिक स्कूल लेहरा रोही (जीरा) के कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने इस बार बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करके स्कूल और अभिभावकों का नाम रोशन किया है। स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा खुशप्रीत कौर ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त करके शानदार उपलब्धि हासिल की है। इसी तरह, राजवीर कौर ने भी 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि हरप्रीत कौर ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त करके स्कूल का गौरव बढ़ाया है।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मैडम परमेल कौर सिद्धू ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि ये परिणाम बच्चों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का फल हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। जसपाल सिंह, करमजीत कौर, मनजीत कौर, जसविंदर कौर, जसवंत सिंह, बलजीत सिंह, मैडम सुखप्रीत और विद्यालय के सभी कर्मचारी इस शुभ अवसर पर उपस्थित थे। सभी शिक्षकों ने बच्चों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिले में एलपीजी गैस, पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य : नरेश कुमार

कुरुक्षेत्र, 16 मई (बृज मोहन) जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने जिले वासियों से अपील की है कि घबराहट में ईंधन की अनावश्यक खरीदारी न करें। पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के कारण केवल आवश्यकता अनुसार ही खरीदारी करें, ताकि व्यवस्था सुचारू बनी रहे। जिला में एलपीजी गैस, पेट्रोल व डीजल आदि सभी पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है।

उन्होंने कहा कि ईंधन की कमी को लेकर अफवाह फैलाने, जमाखोरी या ब्लैक मार्केटिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा लगातार पेट्रोल पंपों व गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया जा रहा है और सप्लाई चेन की निगरानी की जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। गैस के मामले में आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिला में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसी भी समस्या के लिए 01744-294418 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला में 3 कंपनियों की 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। जिला में ईंधन की कोई कमी नहीं है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने कहा कि जिले में उपमंडल स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों ने 153 स्थानों पर छापेमारी की है। इनमें से 88 गैस सिलेंडरों का जब्त किया गया है।

माउंट व्यू कॉन्सेप्ट स्कूल जहानखेला में धार्मिक परीक्षा के पुरस्कार वितरित

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) – सिख मिशनरी कॉलेज रजि. लुधियाना द्वारा हर साल विद्यार्थियों में नैतिक गुण पैदा करने के लिए धार्मिक परीक्षा करवाई जाती है। आज सिख मिशनरी कॉलेज सर्कल पुरहीरा द्वारा माउंट व्यू कॉन्सेप्ट स्कूल जहान खेला

में धार्मिक परीक्षा में अव्वल आए विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। स्कूल के कुल विद्यार्थियों में से किरतवीर कौर, गुरनूर सिंह, अमनदीप सिंह, अरविंद सिंह, अमृत सिंह ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर सी ग्रेड पुरस्कार प्राप्त किया।

इस अवसर पर हरदेव सिंह कौंसिल और गुरसेवक सिंह डायरेक्टर स्कूल ने विद्यार्थियों को बधाई दी और और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और आने वाली धार्मिक परीक्षा में अधिक से अधिक भागीदारी करने के लिए प्रेरणा दी। इस अवसर पर सिख मिशनरी कॉलेज जोन होशियारपुर के जोनल ऑर्गनाइज़र अवतार सिंह, नछत्तर सिंह ब्रह्मजीत और स्कूल के कोऑर्डिनेटर अंजलि, वाइस प्रिंसिपल नीलम कुमारी, अध्यापक रिया और शैली उपस्थित थे।

सुनसान जगह पर रोमांस करते पकड़े गए 60 साल का बुज़ुर्ग और 22 की लड़की

गांव वालों ने मंदिर में करा दी शादी

» प्रथम न्यूज । कटिहार
16 मई (ब्यूरो)

बिहार के कटिहार से एक ऐसी अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में तहलका मचा दिया है। यहां एक 22 साल की जवान लड़की का दिल 60 साल के एक बुजुर्ग पर आ गया।

दोनों छुप-छुपकर एक-दूसरे से इश्क लड़ा रहे थे। जब गांव वालों ने दोनों को एक सुनसान जगह पर साथ पकड़ा, तो उन्होंने कोई बवाल करने के बजाय सीधा मंदिर ले जाकर उनकी शादी करवा दी। इस अनोखी प्रेम कहानी का अंजाम 'चट मंगनी पट ब्याह' के रूप में हुआ और अब इस नवविवाहित जोड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

दो साल से चल रहा था सीक्रेट अफेयर, पंचायत के सामने डंके की चोट पर कबूला प्यार

यह पूरी कहानी कटिहार जिले के मनिहारी प्रखंड स्थित बाघमारा पंचायत की है। गांव के 60 वर्षीय सुग्रीम पासवान और पास के ही बोलिया पंचायत की रहने वाली 22 साल की लड़की के बीच पिछले दो साल से गुपचुप तरीके से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

उम्र में करीब 38 साल का बड़ा फासला होने के बावजूद दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। परिवार और गांव वालों को इस रिश्ते की भनक तक नहीं थी। बुधवार को जब ग्रामीणों ने दोनों को एकांत में एक साथ देखा, तो उनके होश उड़ गए।

पंचायत बुलाई गई और दोनों से पूछताछ हुई, जिस पर जोड़े ने बिना किसी झिझक के पूरे गांव के सामने अपने प्यार का इजहार कर दिया और साथ रहने की इच्छा जताई।

'इश्क की कोई उम्र नहीं होती', इलाके में बनी चर्चा का विषय

इस अनोखी शादी के बाद लड़की ने साफ कहा कि उसने अपनी मर्जी से सुग्रीम से शादी की है और दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। उनके परिजनों को भी इस रिश्ते से कोई आपत्ति नहीं है।

सुग्रीम ने भी खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें उनके प्यार का फल मिल गया है। अब इस शादी की चर्चा गांव की चौपालों से लेकर शहर की चाय की दुकानों तक हो रही है। कोई इसे किस्मत का खेल बता रहा है, तो कोई कह रहा है कि प्यार वाकई रूप, रंग और उम्र की सामाजिक सीमाओं से परे होता है। सोशल मीडिया पर भी यह जोड़ी छाई हुई है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं और इश्क की इस अजीबोगरीब दास्तां पर जमकर चटकारे ले रहे हैं।

मंदिर में भरे गए सिंदूर, मंत्रोच्चारण के साथ रचाई शादी

जोड़े की रजामंदी और बेबाकी देखने के बाद ग्रामीणों ने भी बिना देर किए फैसला सुना दिया कि अगर वे अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं, तो उनकी शादी करा दी जाए। इसके बाद तुरंत गांव के मंदिर में शादी की तैयारियां शुरू कर दी गईं। पंडित को बुलाकर ग्रामीणों की मौजूदगी में पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ शादी की रस्में निभाई गईं। इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियो में सुग्रीम पासवान को अपनी 22 वर्षीय प्रेमिका की मांग में सिंदूर भरते हुए साफ देखा जा सकता है। शादी के बाद दोनों ने भगवान का आशीर्वाद लिया और खुशी-खुशी एक-दूसरे का हाथ थामकर मंदिर से निकल पड़े।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो अगले सप्ताह आएंगे भारत, राजदूत गोर ने की पुष्टि

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (एजेंसी)

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विदेश मंत्री मार्को रुबियो के अगले सप्ताह भारत आने की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने तारीख नहीं बताई है। गोर ने एक्स पर कहा कि वे और अमेरिकी दूतावास की पूरी टीम भारत में अमेरिका के विदेश मंत्री, सेनेटर मार्को रुबियो के स्वागत के लिए उत्साहित हैं। यह दौरा आगामी एक सप्ताह में होगा। इस पोस्ट में अमेरिकी और भारतीय संबंधों में बढ़ती साझेदारी और उच्च-स्तरीय राजनयिक संपर्क को रेखांकित किया गया है।

अमेरिका और भारत के बीच संबंध पिछले कई वर्षों में मजबूत हुए हैं। दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री का भारत दौरा इस सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से होता है। इसके अलावा, यह दौरा क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक साझेदारी और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत का अवसर भी प्रदान करता है। सेनेटर मार्को रुबियो का यह दौरा विशेष रूप से उस समय में महत्वपूर्ण है जब भारत एक प्रमुख वैश्विक प्लेयर के रूप में उभर रहा है। ऐसे दौरे पारंपरिक और रणनीतिक हितों को संतुलित करने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और पीपुल-टू-पीपुल संपर्क को भी बढ़ावा देते हैं। यह दौरा व्यापार, रक्षा, क्वाड गठबंधन और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित होगा। वाशिंगटन में (अप्रैल 2026) भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ हुई सार्थक बैठक के बाद इस यात्रा की पुष्टि की गई है। अमेरिका और भारत के बीच के संबंध सिर्फ औपचारिक नहीं हैं, बल्कि दोनों लोकतांत्रिक मूल्यों, साझा आर्थिक हितों और वैश्विक स्थिरता के लिए साझेदारी पर आधारित हैं। इस तरह, यह दौरा इन साझेदारियों को सुदृढ़ करने, नए क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशने और दो देशों के बीच विश्वास और मैत्री को और गहरा करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

66 हजार मीट्रिक टन गैस लेकर होर्मुज से भारत पहुंच रहे दो जहाज, LPG संकट के बीच राहत

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (एजेंसी)

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और पेट्रोल-डीजल व सीएनजी की बढ़ती कीमतों के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। पिछले 24 घंटों में होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित पार कर दो बड़े एलपीजी जहाज भारत की ओर रवाना हुए हैं। इन दोनों जहाजों में कुल 66,392 मीट्रिक टन रसोई गैस लदी हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, एलपीजी कैरियर 'सिमी' बुधवार को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत के लिए रवाना हुआ। इस जहाज में 21 क्रू मेंबर सवार हैं और इसके आज गुजरात स्थित दीनदयाल (कांडला) बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है। यह जहाज कतर के रास लफान टर्मिनल से गैस लेकर निकला है। वहीं, दूसरा जहाज 'एनवी सनशाइन' गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुका है। इसके 18 मई तक न्यू मंगलुरु पोर्ट पहुंचने की संभावना है।

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि 'सिमी' ने 13 मई को और 'एनवी सनशाइन' ने 14 मई को सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तनाव के बावजूद भारतीय जहाजों की आवाजाही जारी है। दरअसल, अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। इसके बावजूद अब तक कुल 13 भारतीय जहाज इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से सुरक्षित गुजर चुके हैं। मार्शल द्वीप के ध्वज वाला पोत 'सिमी' करीब 19,965 टन एलपीजी लेकर आ रहा है, जबकि वियतनाम ध्वज वाला 'एनवी सनशाइन' यूएई की रुवैस रिफाइनरी से 46,427 टन एलपीजी लेकर भारत के लिए रवाना हुआ है। दोनों जहाजों में लदा गैस का माल Indian Oil Corporation (IOC) का बताया जा रहा है। मार्च की शुरुआत से अब तक 12 एलपीजी टैंकर और एक कच्चा तेल टैंकर समेत कुल 13 भारतीय जहाज इस मार्ग से गुजर चुके हैं। हालांकि, खाड़ी क्षेत्र में अभी भी करीब 12 भारतीय पोत फंसे हुए हैं। इसके अलावा भारत के लिए सामान लेकर जा रहे कई विदेशी जहाज भी क्षेत्रीय तनाव के कारण प्रभावित बताए जा रहे हैं।

चीन से लौटने के बाद ईरान पर हमले की तैयारी में ट्रंप, क्या फिर से शुरू होगा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी?

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप शुक्रवार को चीन से लौटकर अपने देश पहुंच गए। ईरान युद्ध को लेकर उन पर दबाव बढ़ता जा रहा है और अगर कूटनीति नाकाम रहती है तो उनके टॉप सहयोगी तेहरान के खिलाफ फिर से मिलिट्री कार्रवाई के लिए विकल्प तैयार कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन के अधिकारियों ने एक नए मिलिट्री अभियान के तहत फिर से हमले शुरू करने की योजना का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। अप्रैल में हुए सीजफायर के दौरान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को रोक दिया गया था। हालांकि, ट्रंप ने अभी तक कोई फाइनल फैसला नहीं किया है।

सफलता का मौका ढूंढ़ रहे ट्रंप

ईरान के ताजा शांति प्रस्ताव का जिक्र करते हुए ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, मैंने इसे देखा और अगर मुझे इसका पहला ही वाक्य पसंद नहीं आता तो मैं इसे फेंक देता हूं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएस, इजरायल और क्षेत्रीय अधिकारी एक ऐसे समझौते की कोशिश कर रहे हैं, जिससे ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोल दे। इससे ट्रंप को इस महंगे संघर्ष को लेकर देश के अंदर बढ़ रही आलोचना के बीच एक कूटनीतिक सफलता का दावा करने का मौका मिल जाएगा।

पेंटागन ने तनाव बढ़ाने के विकल्प तैयार किए: रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस हफ्ते सांसदों से कहा कि अमेरिकी सेना के पास जरूरत पड़ने पर तनाव बढ़ाने की योजना है। साथ ही सेना की तैनाती कम करने के विकल्प भी खुले रखे गए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि पेंटागन ने कई मिलिट्री परिदृश्य तैयार किए हैं, जिनमें ईरान के मिलिट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों को निशाना बनाकर जोरदार बमबारी करना भी शामिल है।

एक और विकल्प में कथित तौर पर यूएस स्पेशल ऑपरेशंस सैनिकों को तैनात करना शामिल है ताकि उस अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम को सुरक्षित किया जा सके, जिसके बारे में माना जाता है कि वह ईरान की इस्फहान परमाणु सुविधा के अंदर जमीन के बहुत नीचे जमा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इस साल की शुरुआत में ऐसी आपात स्थितियों से निपटने की तैयारी के लिए सैकड़ों स्पेशल ऑपरेशंस कर्मियों को मिडिल-ईस्ट भेजा गया था। हालांकि, अधिकारियों ने माना कि किसी भी जमीनी ऑपरेशन में जान-माल के नुकसान का बड़ा जोखिम होगा और इसके लिए हजारों सहायक सैनिकों की जरूरत पड़ेगी।

ईरान ने क्या संकेत दिया?

इस बीच, ईरान ने फिर से दुश्मनी शुरू करने की तैयारी का संकेत दिया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबफ ने कहा, हमारी सेना किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है।

होर्मुज स्ट्रेट चिंता का विषय

होर्मुज स्ट्रेट इस संकट के केंद्र में बना हुआ है, जहां एक तरफ ईरान तेल परिवहन के इस अहम रास्ते को पूरी तरह से खोलने से इनकार कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी जारी रखी है।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन और बीजिंग दोनों इस बात पर सहमत हैं कि स्ट्रेट को फिर से खोला जाना चाहिए।

बीजिंग में रहते हुए ट्रंप ने कहा, हम नहीं चाहते कि उनके पास परमाणु हथियार हों, हम चाहते हैं कि जलडमरूमध्य खुला रहे। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ उनका सब्र खत्म होता जा रहा है और उन्होंने तेहरान को कोई समझौता करने की चेतावनी दी।

ईरान हार मानने को नहीं तैयार

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान कूटनीति के लिए तैयार है, लेकिन पिछली बातचीत के बाद हुए हवाई हमलों को देखते हुए उसे वॉशिंगटन पर भरोसा नहीं है। इस क्षेत्र में भारी सैन्य मौजूदगी बनी हुई है। इस पूरे क्षेत्र में 50,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक, दो विमानवाहक पोत, कई विध्वंसक जहाज और कई लड़ाकू विमान तैनात हैं।

'दुनिया के नक्शे में बने रहना चाहता है या इतिहास में दफन... आर्मी चीफ की पाकिस्तान को चेतावनी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ा संदेश देते हुए साफ कहा है कि यदि उसने भारत विरोधी गतिविधियों और आतंकियों को संरक्षण देना बंद नहीं किया, तो उसे तय करना होगा कि वह दुनिया के नक्शे पर भूगोल का हिस्सा बना रहेगा या इतिहास का विषय बन जाएगा।

दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' कार्यक्रम के दौरान सेना प्रमुख ने यह तीखी टिप्पणी की। संवाद सत्र में उनसे सवाल पूछा गया कि यदि भविष्य में फिर से वैसी परिस्थितियां बनती हैं जैसी पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बनी थीं, तो भारतीय सेना की रणनीति क्या होगी। इस पर जवाब देते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना हर चुनौती का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है और यदि दोबारा ऐसी स्थिति बनी तो जवाब पहले से भी अधिक कठोर और निर्णायक होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है और देश की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान को अब अपनी नीतियों में बदलाव करना होगा। सीमा पार आतंकवाद और भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देना क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने संकेत दिए कि भारतीय सेना भविष्य में किसी भी उकसावे का जवाब पूरी ताकत से देगी। गौरतलब है कि यह बयान ऐसे समय आया है जब देश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा है। पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस अभियान के तहत पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकी ठिकानों और ढांचों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया गया था। ऑपरेशन के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था और करीब 88 घंटे तक सैन्य टकराव की स्थिति बनी रही। बाद में 10 मई की शाम दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद हालात सामान्य हुए थे। सेना प्रमुख के ताजा बयान को पाकिस्तान के लिए एक स्पष्ट चेतावनी माना जा रहा है कि भारत अब आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी प्रकार की नरमी बरतने के मूड में नहीं है।

समंदर में छिपा है भारत का अपना 'ब्लैक गोल्ड', तेल-गैस खोजने के लिए इन 5 इलाकों में शुरू होगा महा-अभियान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
16 मई (ब्यूरो)

मिडिल ईस्ट में चल रहे भारी तनाव और संघर्ष के बीच ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपना पहरा बेहद कड़ा कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप इस अहम समुद्री रूट से कच्चे तेल और एलपीजी गैस की आपूर्ति बुरी तरह चरमरा गई है, जिसका सीधा असर भारत पर भी पड़ रहा है। इस गंभीर संकट को देखते हुए केंद्र की मोदी सरकार ने एक बेहद बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। देश की तेल और गैस की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अब समुद्र की गहराइयों में छिपे ऊर्जा के विशाल भंडारों का पता लगाने के लिए एक महा-सर्वेक्षण अभियान शुरू किया जा रहा है।

पूर्वी तट पर अंडरवाटर खजाना खोजेगी सरकार: सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, भारत सरकार का हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (DGH) बंगाल की खाड़ी में गहरे समुद्र के नीचे मौजूद तेल और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडारों की तलाश के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण शुरू करने जा रहा है। मोदी सरकार देश के पूर्वी तट पर एक मल्टी-बेसिन भूगर्भीय सर्वेक्षण की योजना पर काम कर रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को गति देने के लिए हाल ही में 14 मई 2026 को आधिकारिक तौर पर निविदाएं भी आमंत्रित कर दी गई हैं।

समुद्र तल का विशाल अंडरग्राउंड स्कैन है यह तकनीक: तकनीकी भाषा में इस महा-अभियान को '2D ब्रॉडबैंड मरीन सीस्मिक एंड ग्रेविटी-मैग्नेटिक डेटा एक्विजिशन, प्रोसेसिंग एंड इंटरप्रिटेशन' का नाम दिया गया है। आसान शब्दों में समझें तो यह समुद्र तल का एक बेहद विशाल अंडरग्राउंड स्कैन होने वाला है। इस अत्याधुनिक प्रक्रिया के तहत विशेष सर्वेक्षण जहाज समुद्र में अपने पीछे 'स्ट्रीमर्स' नामक लंबे केबल जैसे उपकरण खींचेंगे। ये उपकरण समुद्र की गहराइयों में शक्तिशाली ध्वनि तरंगें भेजेंगे और चट्टानों से टकराकर वापस आने वाली गूंज को रिकॉर्ड करेंगे। इसी अहम डेटा के आधार पर वैज्ञानिक समुद्र तल के कई किलोमीटर नीचे की विस्तृत तस्वीरें तैयार करेंगे, जिससे तेल और गैस के सटीक स्रोतों का आसानी से पता चल सकेगा।

लाखों किलोमीटर के विशाल दायरे में चलेगा अभियान: यह कोई आम खोज नहीं है, बल्कि इस परियोजना का पैमाना इतना विशाल है कि यह सर्वेक्षण अगले दो वर्षों तक लगातार चलेगा। इसके तहत बंगाल-पूर्णिया और महानदी बेसिन तक 45,000 लाइन किलोमीटर (LKM) के विशाल इलाके में सर्वे किया जाएगा। इसके साथ ही अंडमान बेसिन में 43,000 एलकेएम, कृष्णा-गोदावरी (KG) बेसिन में 43,000 एलकेएम और कावेरी बेसिन में 30,000 एलकेएम के क्षेत्र में भी गहराई से खोज अभियान चलाया जाएगा।

विदेशी निर्भरता खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम: भारत फिलहाल अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत और गैस की जरूरत का एक बहुत बड़ा हिस्सा दूसरे देशों से आयात करता है। पश्चिम एशिया में युद्ध या किसी भी वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का सीधा असर भारतीय घरों के बजट, ईंधन की कीमतों और महंगाई पर पड़ता है।

इन पांच प्रमुख क्षेत्रों पर टिकी हैं सबसे ज्यादा उम्मीदें

विशेषज्ञों और भूवैज्ञानिकों की नजरें मुख्य रूप से पांच प्रमुख अपतटीय क्षेत्रों पर टिकी हुई हैं। दस्तावेजों के मुताबिक, बंगाल अपतटीय बेसिन में 10 किलोमीटर से अधिक मोटी तलछटी परतें मौजूद हैं, जहां इओसीन युग से लेकर हाल के भूगर्भीय काल तक के हाइड्रोकार्बन स्रोत होने की भारी संभावना है। वहीं, महानदी बेसिन को व्यावसायिक उत्पादन की उच्च क्षमता वाला एक प्रमुख क्षेत्र माना जा रहा है। इसके अलावा अंडमान बेसिन में म्यांमार और इंडोनेशिया के गैस क्षेत्रों जैसी भूगर्भीय समानताएं होने के कारण वहां जमे हुए मीथेन और गैस के विशाल भंडार मिलने की उम्मीद है। भारत के पहले से ही प्रमुख गैस उत्पादक माने जाने वाले कृष्णा-गोदावरी बेसिन और प्रमाणित पेट्रोलीफेरस बेसिन कावेरी के गहरे अपतटीय हिस्सों में भी अभी बड़ी मात्रा में अनदेखे भंडार मिलने की पूरी संभावना है, जो देश की ऊर्जा जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

अधिकारियों का मानना है कि मुंबई हाई जैसे पश्चिमी तटों की तुलना में भारत का पूर्वी तट अभी भी काफी हद तक अनछुआ है। आधुनिक सीस्मिक तकनीक के जरिए इस पूरे क्षेत्र का सटीक नक्शा तैयार कर भारत आयात पर अपनी इस भारी निर्भरता और कमजोरी को हमेशा के लिए दूर करना चाहता है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

अदालत ने बढ़ाई संजीव अरोड़ा की रिमांड, 9 मई को ईडी ने किया था गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- पंजाब में ईडी (ED) द्वारा गिरफ्तार किए गए मंत्री संजीव अरोड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि कोर्ट ने संजीव अरोड़ा को ईडी की 2 दिन की रिमांड पर भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक संजीव अरोड़ा को गुरुग्राम की जिला कोर्ट ने ईडी की 2 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। ईडी ने 5 दिन की रिमांड मांगी थी। ईडी अब उनसे कथित अनियमितताओं, वित्तीय लेनदेन और फर्जी दस्तावेजों को लेकर पूछताछ करेगी। बता दे कि 9 मई को ED ने मंत्री के चंडीगढ़ स्थित सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के 5 ठिकानों पर रेड कर उन्हें गिरफ्तार किया था। संजीव अरोड़ा पर मोबाइल फोन और अन्य सामान की खरीद-फरोख्त में जीएसटी में हेराफेरी करने के आरोप हैं।

गर्दन पर वसा का जमाव और कालापन है तो लिवर की जांच कराएं : डॉ.ममगाईं

कुरुक्षेत्र, 16 मई (बृज मोहन) शराब और धूम्रपान ही नहीं, बल्कि सुस्त जीवनशैली, गलत खान-पान और बढ़ते मोटापे के कारण दुनियाभर में लिवर की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक विश्वभर में लगभग 180 करोड़ लोग लिवर संबंधी बीमारियों से प्रभावित हो सकते हैं। यह जानकारी पूर्व सिविल सर्जन एवं लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल के परामर्शक-फिजिशियन डॉ. शैलेंद्र ममगाईं शैली ने विश्व जिगर दिवस के अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में दी।

डॉ. ममगाईं ने बताया कि प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'द लेंसेट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी' में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार वर्ष 2023 में करीब 130 करोड़ लोग मेटाबॉलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टीयोटिक लिवर डिजीज (एमएएसएलडी) से पीड़ित थे। वर्ष 1990 में यह आंकड़ा 50 करोड़ था, यानी 143 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पहले इस बीमारी को नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) कहा जाता था।

उन्होंने कहा कि यह बीमारी शरीर के मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी के कारण होती है और इसका मुख्य संबंध मोटापा, डायबिटीज तथा असंतुलित जीवनशैली से है। लंबे समय तक इसके लक्षण स्पष्ट नहीं दिखाई देते, जिससे समय पर पहचान मुश्किल हो जाती है। अध्ययन के अनुसार उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में यह बीमारी सबसे अधिक पाई जा रही है, जहां भविष्य में लिवर सिरोसिस और कैंसर के मामलों में तेजी आने की आशंका है।

डॉ. ममगाईं ने बताया कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में लिवर रोग अधिक पाए जा रहे हैं। पुरुषों में 35 से 39 वर्ष और महिलाओं में 55 से 59 वर्ष की उम्र के बीच इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि गर्दन पर वसा का जमाव और कालापन दिखाई दे, साथ ही मोटापा और शुगर की समस्या हो, तो तुरंत लिवर की जांच करानी चाहिए।

उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि भोजन अच्छी तरह चबाकर खाएं, ओवर-इटिंग से बचें और भोजन के कम से कम तीन घंटे बाद ही व्यायाम करें। फल, सब्जियां, फलियां, नट्स और सीड्स जैसे उच्च फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। वहीं पेस्ट्री, केक, सफेद ब्रेड, पास्ता, सोडा, एनर्जी ड्रिंक और पैकेट वाले जूस से दूरी बनाएं। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा डीएवी कॉलेज में जल्द लहराएगा 36 फुट ऊंचा तिरंगा

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया ने डीएवी कॉलेज को भेंट किया 36 फुट ऊंचा तिरंगा

» प्रथम न्यूज । पिहोवा
16 मई (मुकेश डोलिया)

राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में व्यापक राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्षेत्र के नौ विधानसभा हल्कों में विशाल तिरंगे स्थापित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में पिहोवा स्थित डीएवी कॉलेज परिसर में 36 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज के लिए फ्लैग पोल स्थापित किया जा चुका है। शुक्रवार को फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से डॉ. राज कुमार एवं पिहोवा हल्का प्रभारी जीत राम ने कॉलेज प्रशासन को राष्ट्रीय ध्वज तथा उससे संबंधित आवश्यक सामग्री भेंट की। इस दौरान कॉलेज स्टाफ के साथ राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, उसके महत्व और फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की विभिन्न राष्ट्रहित गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने ध्वजदंड के निर्माण कार्य और स्थल का निरीक्षण भी किया।

इस अवसर पर डीएवी कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सुमनलता सिरोही ने सांसद नवीन जिन्दल एवं फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री नवीन जिन्दल ने देश के प्रत्येक नागरिक को अपने घर और संस्थानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने का अधिकार दिलाने के लिए वर्षों तक ऐतिहासिक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसर में स्थापित होने वाला यह विशाल तिरंगा विद्यार्थियों और क्षेत्रवासियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और देशसेवा की भावना को और प्रबल करेगा।

उल्लेखनीय है कि फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया देशभर में 200 से अधिक स्थानों पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज स्थापित कर चुकी है। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में भी संस्था द्वारा लगातार राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि युवा पीढ़ी तिरंगे से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए।

इस अवसर पर डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, डॉ. गुरप्रीत कौर, डॉ. अश्वनी शर्मा, डॉ. सुनीता चहल, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. रविन्द्र कुमार, प्रो. अजय, प्रो. अनु शर्मा, प्रो. सुखबीर, प्रो. रश्मि शर्मा, प्रो. इकबाल, प्रो. नीशु रानी तथा श्री रूप सिंह सहित कॉलेज स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पंजाब में ढाबे पर बहस के बाद युवक की हत्या, एक गंभीर घायल

पठानकोट (ब्यूरो)- पंजाब के पठानकोट में युवक की तेजधार हथियारों से वार कर हत्या कर देने की खबर सामने आ रही है। खबर है कि मामूली कहासुनी के बाद युवक की हत्या कर दी गई। इसके साथ ही एक युवक गंभीर घायल है। जानकारी के मुताबिक पंजाब के जिला पठानकोट के नरोट जयमल सिंह इलाके में एक 27 वर्षीय युवक की तेजधार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई, जबकि उसका एक दोस्त गंभीर रूप से घायल हुआ।

मृतक की पहचान राजकुमार (27) और घायल युवक की पहचान तनुज (21) के रूप में हुई है। दोनों ही युवक उसी गांव के रहने वाले हैं। जांच में पता चला कि यह घटना एक ढाबे पर खाना खाने के दौरान हुई। परिवार के अनुसार, शुक्रवार देर रात राजकुमार और तनुज रोड जमाल सिंह के ढाबे पर पहुंचे थे। वहां पहले से बैठे कुछ लोगों से उनकी बात-बात में बहस हो गई। इसके बाद उन लोगों ने दोनों पर हमला कर दिया। हमले में राजकुमार के सिर, छाती, पेट, गर्दन और पैरों पर गंभीर चोटें आईं, वहीं तनुज के सिर में भी गहरा घाव हुआ। राजकुमार को अस्पताल लाने पर ही मौत हो गई, जबकि तनुज को पहले सिविल अस्पताल और फिर प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दोषियों की तलाश कर रही है।

उन्नति त्रिपाठी चीन में संभालेंगी भारतीय स्क्वैश टीम की कमान

33वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप 20 से 24 मई तक चीन में होगी आयोजित

» प्रथम न्यूज । देहरादून
16 मई (ब्यूरो)

ग्राफिक एरा की छात्रा उन्नति त्रिपाठी चीन में भारतीय स्क्वैश टीम की कमान संभालेंगी। उन्हें 33वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का कप्तान चुना गया है।

उन्नति त्रिपाठी ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी की बीए (अंग्रेजी) प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। उन्नति के पिता हरिओम त्रिपाठी जाने माने स्क्वैश कोच हैं । उन्नति 20 से 24 मई तक चीन में आयोजित होने वाली 33वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप के गर्ल्स अंडर-19 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस प्रतियोगिता के लिए उन्हें भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में उन्नति ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की और पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया। अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वह गर्ल्स अंडर-19 वर्ग में भारत की नंबर एक खिलाड़ी के रूप में उभरी हैं।

उन्नति त्रिपाठी ने कम उम्र में ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शानदार खेल प्रदर्शन से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्नति ने थ्री-स्टार नेशनल सर्किट स्क्वैश टूर्नामेंट में रजत पदक, नेशनल गेम्स गोवा में टीम स्पर्धा में कांस्य पदक और नॉर्दर्न स्लैम इंडियन जूनियर ओपन मुंबई में स्वर्ण पदक जीतकर विशेष पहचान बनाई है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी वह सियोल (कोरिया) में आयोजित एशियाई जूनियर चैंपियनशिप, काहिरा में विश्व जूनियर चैंपियनशिप , मैकाऊ, डालियान, इस्लामाबाद, बोस्टन और यूएस में विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डा. कमल घनशाला ने कहा कि उन्नति ने अपनी उपलब्धियों से यह साबित कर दिया है कि समर्पण, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर भारतीय युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्नति की कप्तानी में भारतीय टीम चीन में जीत का परचम लहराते हुए देश को गौरवान्वित करेगी। गौरतलब है कि ग्राफिक एरा के पांच छात्र छात्राएं ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। महिला क्रिकेट की विश्व चैंपियनशिप विजेता टीम की खिलाड़ी स्नेह राणा भी ग्राफिक एरा की छात्रा हैं।

सत्यापन प्रक्रिया पर विवाद, जोगिन्द्रा बैंक प्रबंधन घिरा

जोगिन्द्रा बैंक में एनपीए और वित्तीय हेरफेर को लेकर बड़ा विवाद

21 अप्रैल 2026 को बने वैरिफिकेशन कागज़, 7½ महीने पहले संभाल ली चेयरमैन पद की कुर्सी!

» प्रथम न्यूज । सोलन/चंडीगढ़
16 मई (एएम नाथ)

जोगिन्द्रा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सोलन के चेयरमैन मुकेश शर्मा और बैंक प्रबंधन पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने दावा किया है कि चेयरमैन ने अनिवार्य सत्यापन प्रक्रिया पूरी किए बिना करीब साढ़े सात महीने तक पद संभाले रखा। शिकायत के अनुसार 15 सितंबर 2025 की अधिसूचना के बावजूद सत्यापन प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हुई और बाद में 21 अप्रैल 2026 को दस्तावेज तैयार कर 22 अप्रैल को डायरी नंबर 3036/पृष्ठ 127 के तहत जमा किए गए। आरोप है कि यह कार्रवाई मामले को वैध दिखाने के उद्देश्य से की गई। अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि बैंक में वर्षों से एनपीए खातों में बड़े स्तर पर वित्तीय हेरफेर किया गया। शिकायत में चेयरमैन मुकेश शर्मा, प्रबंध निदेशक पंकज सूद, कई एजीएम, शाखा प्रबंधकों तथा आरसीएस, नाबार्ड और आरबीआई के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत का उल्लेख किया गया है। उनका कहना है कि प्रोविजनिंग, राइट ऑफ और वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजनाओं का उपयोग कर वास्तविक एनपीए छिपाए गए और बैंक की वित्तीय स्थिति को बेहतर दिखाने का प्रयास किया गया।

शिकायत के अनुसार 31 मार्च 2025 तक बैंक का एनपीए 35.46 करोड़ रुपये था, जो दिसंबर 2025 तक 60 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया। इसके बावजूद मार्च 2026 में एनपीए घटकर 19 करोड़ रुपये होने के दावे किए गए। अधिवक्ता शर्मा का आरोप है कि यह केवल विंडो ड्रेसिंग थी, जबकि वास्तविक एनपीए 31 मार्च 2026 तक 40 करोड़ रुपये से अधिक रहा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अप्रैल 2026 के अंत तक एनपीए फिर 55 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। शिकायतों में यह भी कहा गया है कि सस्पेंस इंटरेस्ट को मैनुअल रूप में रखकर वास्तविक ब्याज देनदारियों को छिपाया गया। कई प्रभावशाली डिफॉल्टरों को लाभ पहुंचाने के लिए कथित रूप से फर्जी मूल्यांकन रिपोर्टें तैयार करवाई गईं और करोड़ों रुपये के खातों को राइट ऑफ अथवा ओटीएस के जरिए समाप्त दिखाया गया।

अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने मामले की सीबीआई, विजिलेंस या किसी स्वतंत्र एजेंसी से फोरेंसिक जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो सहकारी बैंकिंग व्यवस्था में जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। वहीं, बैंक प्रबंधन की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जालंधर में महिलाओं का थाने के बाहर हंगामा, SHO पर लगाए गंभीर आरोप

गहने चोरी मामले में कार्रवाई न होने से नाराज महिलाओं ने निगला फिनायल, चार महीने से इंसाफ न मिलने का आरोप, दो महिलाओं की हालत खतरे से बाहर

» प्रथम न्यूज । जालंधर
16 मई (ब्यूरो)

जालंधर के फुटबॉल चौक स्थित थाना बस्ती बावा खेल के बाहर शनिवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब दो महिलाओं ने थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए जहरीला पदार्थ निगल लिया। महिलाओं का आरोप था कि उनके गहने चोरी होने की शिकायत पर पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही और उल्टा उन्हें धमकाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं करीब एक घंटे तक थाने के बाहर प्रदर्शन करती रहीं।

इस दौरान उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बीच दोनों महिलाओं ने कथित तौर पर फिनायल पी लिया। जहरीला पदार्थ पीते ही एक महिला मौके पर ही गिर गई, जिसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों और पुलिस कर्मियों ने तुरंत दोनों को सिविल अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों महिलाओं की हालत अब खतरे से बाहर है और उनका इलाज जारी है। महिला नीतू ने आरोप लगाया कि वह इलाके की प्रधान चन्नी के साथ कई बार थाने के चक्कर लगा चुकी हैं, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उनका कहना है कि पिछले चार महीनों से वह इंसाफ के लिए संघर्ष कर रही थीं, लेकिन सुनवाई न होने के कारण मजबूर होकर यह कदम उठाना पड़ा।

वहीं थाना बस्ती बावा खेल के स.।।ह जयइंद्र सिंह ने बताया कि नीतू निवासी शहीद बाबू लाभसिंह नगर का अपने रिश्तेदार संजय के साथ विवाद चल रहा है। दोनों पक्षों की ओर से मारपीट की शिकायतें और मेडिकल रिपोर्ट मिली हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोना-चांदी में भारी गिरावट, खरीददारों के लिए सुनहरा मौका

वैश्विक उथल-पुथल के बीच धड़ाम हुए सोने-चांदी के दाम

नई दिल्ली (ब्यूरो) - अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इससे आभूषण खरीदने और निवेश की योजना बना रहे लोगों को राहत मिली है। 16 मई को मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2.22 प्रतिशत टूटकर 4,574 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक तनाव और निवेशकों की बदलती रणनीति के कारण कीमती धातुओं में दबाव बना हुआ है। दिल्ली के बुलियन बाजार में चांदी की कीमतों में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली। शुक्रवार को चांदी 21,600 रुपये टूटकर 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जबकि पिछले कारोरी सत्र में इसका भाव 2,96,600 रुपये था। कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेज गिरावट दर्ज की गई। सोना 3,528 रुपये गिरकर 1,58,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि चांदी 19,876 रुपये टूटकर 2,71,226 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

PCS अधिकारी अनुप्रीत कौर रंधावा गिरफ्तार, 1.63 करोड़ मुआवजा घोटाले में कार्रवाई

नेशनल हाईवे मुआवजा घोटाला, गुरदासपुर से पकड़ी गई PCS अफसर अनुप्रीत रंधावा

फर्जी लाभार्थियों को बांटा गया करोड़ों का मुआवजा, पूर्व SDM अनुप्रीत कौर रंधावा अरेस्ट

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
16 मई (ब्यूरो)

पंजाब से एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की खबर सामने आई है। पंजाब सिविल सेवा (PCS) अधिकारी अनुप्रीत कौर रंधावा को शुक्रवार सुबह गुरदासपुर स्थित उनके सरकारी आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई तरनतारन के पट्टी थाना पुलिस ने की। उन पर जम्मू-कश्मीर-राजस्थान नेशनल हाईवे परियोजना के लिए अधिग्रहित जमीन के मुआवजे में कथित गबन और सरकारी धन के दुरुपयोग के गंभीर आरोप हैं। पुलिस के मुताबिक मामला करीब 1 करोड़ 63 लाख रुपए के कथित घोटाले से जुड़ा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, यह मामला उस समय का है जब अनुप्रीत कौर रंधावा तरनतारन में स्ष्ठरू के पद पर तैनात थीं। आरोप है कि नेशनल हाईवे-54 के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के दौरान ऐसे लोगों को मुआवजा जारी किया गया, जिनकी जमीन अधिग्रहण सूची में शामिल ही नहीं थी। जांच में सामने आया कि पांच लोगों के खातों में करोड़ों रुपए ट्रांसफर किए गए, जबकि सरकारी रिकॉर्ड और केंद्र सरकार के नोटिफिकेशन में उनके नाम मौजूद नहीं थे।

इस मामले की शुरुआत तत्कालीन पट्टी SDM नवराज सिंह बराड़ की शिकायत से हुई थी। उन्होंने 5 सितंबर 2018 को तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर को इस कथित गड़बड़ी की जानकारी दी थी। शिकायत में कहा गया था कि 9 जनवरी 2018 से 11 फरवरी 2019 के बीच सरकारी राशि गलत तरीके से अपात्र लोगों के खातों में भेजी गई। जांच में जसबीर कौर, राजविंदर कौर, सरताज सिंह, बिक्रमजीत सिंह और गुरजीत कौर के नाम सामने आए हैं। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि भुगतान तत्कालीन SDM अनुप्रीत कौर रंधावा के हस्ताक्षरों के बाद जारी किए गए थे। आरोप है कि बिना उचित सत्यापन के सरकारी धन जारी कर सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया गया। इस मामले में 5 सितंबर 2019 को थाना सिटी पट्टी में IPC की धारा 419, 420, 409 और 120B के तहत FIR दर्ज की गई थी। बाद में विशेष जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार ने अनुप्रीत कौर को निलंबित कर दिया था। अब गिरफ्तारी के बाद पुलिस अन्य आरोपियों और संभावित मिलीभगत की भी जांच कर रही है।

पंजाब में कांग्रेस को बड़ा झटका

कई कांग्रेस नेता AAP में शामिल

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- पंजाब की राजनीति से इस समय की बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि आज पंजाब में कांग्रेस को उस समय बड़ा झटका लगा जब कई नेता आम आदमी पार्टी (AAP) में शामिल हो गए। जानकारी के मुताबिक पंजाब में कांग्रेस के कई नेता आम आदमी पार्टी (AAP) में शामिल हो गए है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उन्हें पार्टी में शामिल करवाया है।

मान सरकार की नीतियों से प्रेरित होकर, मजीठा से कांग्रेस के नेता परमजीत सिंह पम्मा, पलविंदर सिंह पाली, जगदीप सिंह गोगा, अप्रमदीप सिंह अप्पू और अमनदीप सिंह अपने सहयोगियों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी के सभी नेताओं का स्वागत किया और कहा कि पंजाब के विकास के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे। इस दौरान मजीठा हल्के के प्रभारी तलबीर सिंह गिल भी उपस्थित थे।

गर्मियों में पपीता और तरबूज से निखारें अपनी रंगत : शहनाज़ हुसैन

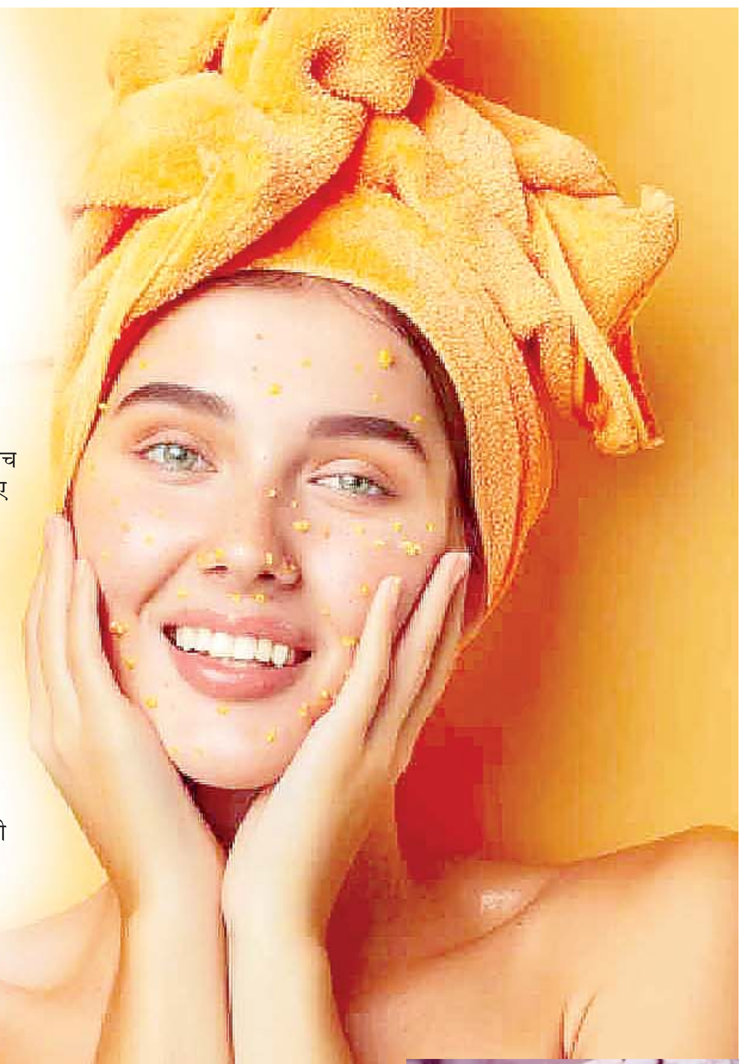

गर्मियों में त्वचा को स्वस्थ्य और चमकदार बनाने के लिए प्रकृतिक फल आपके सहायक हो सकते हैं जोकि त्वचा को हाईड्रेट करने के साथ साथ अन्दर से पौषण प्रदान करके प्रकृतिक निखार देने में मदद करते है।

फरूट फेसिअल ताजे फलों में मौजूद एंजाइमों , विटामिनों और एंटी ऑक्सीडेंट्स से पोषण प्रदान करके त्वचा को भीतर और बाहर दोनों ओर से आकर्षक और तरोताजा बनाता है ।

फरूट फेसिअल सबसे आसान केमिकल युक्त प्रक्रिया है जिसे घर में अपनी सुविधा अनुसार किया जा सकता है । फरूट फेसिअल खुद की देखभाल का किफायती और प्रकृतिक तरीका है जोकि हर प्रकार की त्वचा के लिए सुरक्षित और प्रभावी है।

पपीता फेस पैक

- एक कटोरी में पके हुए पपीते की कुछ स्लागइस को मैश कर लें।
- इसके बाद आप इस मैश किए हुए पपीते में 1 चम्मच चंदन पाउडर डालकर दोनों को अच्छे से मिलाएं।
- अब आप इस मिश्रण में 1 या 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल और आवश्यमकता अनुसार गुलाबजल डाल कर अच्छे से मिला कर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें । इस पैक को चेहरे और गर्दन पर अच्छे तरीके से लगा कर आधा घण्टा बाद गुनगुने पानी से धो डालें । इस मास्क को नियमित रूप से लगाने से आपकी त्वेचा में चमक आएगी और आपकी त्वगचा मुलायम होगी।
- एक कटोरी में दो चम्मच के बराबर पपीता मैश करके इसमें 2 चम्मच दही 1 चम्मच शहद और . 1 चम्मच चावल का आटा मिला लें ।सभी चीज़ों को अच्छे से मिला कर स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें । इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर प्रकृतिक रूप से सूखने दें । जब यह पूरी तरह सुख जाये तो चेहरे को ताजे साफ़ पानी से धो डालें ।इस फेस पैक को आप सप्ताह में दो तीन बार उपयोग कर सकते हैं ।
- आधा कप मैश किया हुआ पपीता लेकर उसमें 2 चम्मच दही मिला लें। इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट लगाएं और फिर धोकर हटा लें। चेहरे को ठंडक मिलती है और स्किन निखरी हुई दिखती है।
- एक कप पिसे पपीते में आधा चम्मच हल्दी मिला कर चेहरे पर लगाए और 15 मिनट बाद चेहरे को धो डालें।इस फेस पैक को लगाने पर स्किन को एंटी.बैक्टीरियल गुण भी मिलते हैं और यह त्वचा में निखार लाता है ।

तरबूज का जूस प्रयोग करें

तरबूज का जूस एक अच्छा सकिन टोनर है और रूखेपन को कम भी करता है। यह त्वचा को ठंडक, रिफ्रेश और कोमल बनाता है। इसका रस चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से धो लें।

तरबूज फेस मास्क बनाने के लिए एक चमच्च बेसन में एक चमच्च दूध और आधा चमच्च तरबूज का रस मिलाएं । इस पैक को चेहरे पर लगा लें ।

जब फेस पैक आधा सूख जाये तो ताजा ठण्डे पानी से धो डालिये।इसके नियमित सेवन से चेहरे की रंगत में सुधार होगा और त्वचा ग्लो करने लगेगी।

तरबूज के छिलकों को छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें । इन टुकड़ों को चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें । कुछ मिनटों तक छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो डालें ।।

सभी त्वचा के लिये फरूट मास्क केला, सेब, पपीता और संतरा जैसे फलों को मिक्स कर के मास्क बना कर चेहरे पर लगाएं। 30 मिनट के बाद चेहरे को धो लें। इससे चेहरे को ठंडक पहुंचेगी, डेड सकिन साफ होगी और सन टैनिंग मिटेगी।

शहनाज़ हुसैन

लेखिका अन्तर्राष्टीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय हैं।

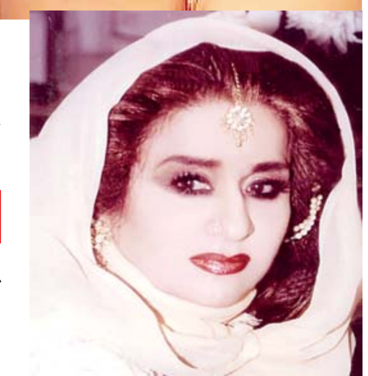

3 खजूर-5 बादाम, खाली पेट खाएं ये दो चीजें, पेट पिचकेगा अंदर, शरीर में बनेगा खून

हर सुबह 3 खजूर और 5 बादाम खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह एक आसान तरीका है जिससे आपको कई ज़रूरी विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। पुराने समय से ही खजूर और बादाम का उपयोग सेहत सुधारने के लिए किया जाता रहा है। यह आदत दिमाग को तेज करने, दिल को स्वस्थ रखने और वजन को नियंत्रित करने में मदद करती है।

ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है

खजूर और बादाम का संयोजन सुबह के लिए एक बेहतरीन ऊर्जा बूस्टर है। खजूर में प्राकृतिक शुगर (ग्लूकोज और फ्रुक्टोज) होती है, जो तुरंत एनर्जी देती है। बादाम में स्वस्थ वसा और प्रोटीन होते हैं, जो दिनभर शरीर को सक्रिय बनाए रखते हैं। यह नाश्ते से पहले खाने पर आपको जल्दी भूख नहीं लगती और दिनभर ऊर्जावान महसूस करते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद

अगर आपको चीज़ें भूलने की आदत है या ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है, तो खजूर और बादाम बहुत मददगार हो सकते हैं। बादाम में विटामिन ई और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं, जो दिमाग की कोशिकाओं को स्वस्थ रखते हैं। खजूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो दिमाग की सूजन को कम करके याददाश्त को बेहतर बनाते हैं।

दिल को रखे मजबूत : खजूर और बादाम हृदय के लिए बहुत लाभदायक हैं। बादाम में हेल्दी फैट होते हैं, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। खजूर में पोटैशियम और मैग्नीशियम होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखते हैं। यह संयोजन दिल की बीमारियों के खतरे को कम करता है और दिल को मजबूत बनाता है।

पाचन में सुधार करता है

अगर आपको कब्ज या पाचन से जुड़ी समस्याएं होती हैं, तो रोजाना 3 खजूर और 5 बादाम खाने से राहत मिल सकती है। खजूर में अधिक मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन को बेहतर बनाता है और कब्ज से बचाता है। बादाम में प्रीबायोटिक्स होते हैं, जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं और पाचन को सुधारते हैं।

वजन कंट्रोल करने में मददगार

अगर आप अपना वजन कम करना या उसे नियंत्रित रखना चाहते हैं, तो यह आदत आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। खजूर में मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है। बादाम में हेल्दी फैट और प्रोटीन होते हैं, जो भूख को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है

खजूर प्राकृतिक रूप से मीठे होते हैं, लेकिन इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे यह धीरे-धीरे शुगर रिलीज करते हैं और ब्लड शुगर को नहीं बढ़ाते। बादाम ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे डायबिटीज के मरीजों के लिए भी यह एक अच्छा विकल्प बनता है।

प्याज का अर्क... एक नहीं कई बीमारियों का है काल, स्टडी से हुए चौंकाने वाले खुलासे

भारतीय सब्जियां और मसाले दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं, जो न सिर्फ खाने में स्वाद के लिए जानी जाती है, बल्कि कई बीमारियों के इलाज में भी मददगार होती हैं।

इसी में प्याज एक ऐसी सब्जी है, जिसका इस्तेमाल भारत में खाने से लेकर कई बीमारियों के इलाज में किया जाता है। आयुर्वेद में भी प्याज को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद में माना जाता है।

अमेरिका के सैन डिएगो में एक एंडोक्राइन सोसाइटी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के मुताबिक, प्याज का अर्क डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ब्लड शुगर को कंट्रोल और वजन घटाने के लिए के लिए प्याज का अर्क काफी लाभकारी हो सकता है।

डायबिटीज कंट्रोल में असरदार

प्याज का अर्क शुगर के मरीजों के लिए बहुत ही फायदेमंद हो सकता है। रिसर्च के मुताबिक, प्याज के अर्क में क्वेरसेटिन और सल्फर कंपाउंड होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। यह इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाने में भी कारगर है।

दिल हेल्दी रखें

हार्ट की हेल्थ के लिए प्याज का अर्क बहुत लाभकारी होता है। प्याज में मौजूद फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सिडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

कैंसर से लड़ने में मददगार

स्टडी के अनुसार, प्याज में मौजूद सल्फर यौगिक और एंटीऑक्सिडेंट्स कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोक सकते हैं। खासतौर पर कोलन, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को कम करने में कारगर पाया गया है।

इम्यूनिटी बूस्ट

प्याज का अर्क इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए लाभकारी है। प्याज के अर्क में विटामिन C, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता इम्यूनिटी बूस्ट करते हैं। इससे मौसमी इंफेक्शन से बचाने में मदद मिलती है।

जोड़ों का दर्द से राहत

प्याज में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती हैं, जो गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत दिलाने में मदद करती हैं। यह शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने में भी सहायक हो सकता है।

शुगर के मरीजों के लिए रामबाण है कीवी का छिलका

हाल के दिनों में बाजार में कई प्रकार के विदेशी फल उपलब्ध हो गए हैं। कीवी उन चीजों में से एक है। इसे चीनी गूजबेरी के नाम से भी जाना जाता है। कीवी विटामिन ए, ई, सी, तथा पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा, लोहा और मैंगनीज जैसे खनिजों से भरपूर है। इसमें विटामिन बी6 भी अच्छी मात्रा में होता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, कीवी का भूरा छिलका स्वादिष्ट नहीं लगता, लेकिन यह खाने योग्य है और फाइबर से भरपूर है, जो आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा हो सकता है। न्यूट्रिशनिस्ट प्रियांशी भटनागर ने बताया कि कीवी का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।

क्या आप कीवी का छिलका खा सकते हैं?

कीवी का छिलका पूरी तरह से खाने योग्य होता है और इसमें कोई जहरीला रसायन नहीं होता। इसमें फ्लेवोनोइड्स, अघुलनशील फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीएलर्जेनिक यौगिकों की उच्च सांद्रता होती है। कीवी के छिलके का मिट्टी जैसा स्वाद और बालों जैसी बनावट कुछ लोगों को नापसंद हो सकती है, लेकिन पोषण के दृष्टिकोण से कीवी के छिलके में बहुत छिपे हुए लाभ हैं।

कीवी फल के छिलके में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। शोध से पता चला है कि कीवी के छिलके में अन्य फलों की तुलना में तीन गुना अधिक फाइबर होता है।

फाइबर का मतलब है कि यह चयापचय यानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। आपको पेट भरा हुआ महसूस कराता है। इसके अलावा यह शरीर को टॉक्सिन बाहर निकालने में मदद करता है।

वजन कम करने में मददगार

कीवी के छिलके में पॉलीफेनोल और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। यह वसा को पिघलाने का काम करता है। इससे पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे आप अनावश्यक खाने से बच जाते हैं। कीवी का छिलका शरीर में इंसुलिन को भी संतुलित रखता है। इससे अधिक खाने की इच्छा शांत हो जाएगी। इसे खाने से आपको जल्दी वजन कम करने में मदद मिलेगी। सूजन और सूजन भी कम हो जाती है।

हालांकि, उपयोग से पहले कीवी के छिलके को अच्छी तरह से धोना चाहिए। फिर आप इसका जूस बनाकर खा सकते हैं। आप चाहें तो इसे चबा सकते हैं, लेकिन हो सकता है आपको यह पसंद न आए क्योंकि इसकी बनावट थोड़ी कांटेदार होती है। इसे शेक या स्मूदी में मिलाकर भी पिया जा सकता है।

इसके छिलके को सुखाकर पाउडर बनाकर भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

इम्यूनिटी बूस्ट

कीवी की तरह ही कीवी के छिलके भी इम्यूनिटी बूस्ट करते हैं। कीवी में मौजूद विटामिन सी इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद – कीवी के छिलके त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी होते हैं।

कीवी के छिलके में एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। ये त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करते हैं।